RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 38 ● भिलाई, शनिवार 09 अगस्त 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

पहला कॉलम

शिक्षकों को अब ट्रांसफर से जुड़ी परेशानी का नहीं करना पड़ेगा सामना

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रक्षाबंधन से पहले शिक्षकों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। शिक्षकों के ट्रांसफर संबंधित इस ऐलान से उन शिक्षकों को राहत मिलेगी जो अपने जिले से दूर दूसरे जिले में छात्रों को पढ़ाने जाते हैं। सीएम नीतीश कुमार को शिक्षकों के ट्रांसफर से संबंधित कई सुझाव मिले हैं, जिसके तहत अब अंतर जिला ट्रांसफर से संबंधित समस्याओं का समाधान करने के लिए नई व्यवस्था लागू की जाएगी। सीएम नीतीश कुमार ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिया है कि जिन शिक्षकों को ट्रांसफर से संबंधित समस्याएं हैं, उनसे तीन जिलों का विकल्प लिया जाए और उनकी पोस्टिंग उन्हीं जिलों में की जाए। यह निर्णय शिक्षकों की सुविधा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए उठाया गया कदम है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया।

सरकार ने लागू किया नया धर्मांतरण कानून

पंचकूला। हरियाणा सरकार ने धर्म छिपाकर शादी करने वालों को लेकर नया धर्मांतरण कानून लागू कर दिया है। धर्मांतरण से जुड़ी घटनाओं पर सख्ती बढ़ाते हुए हरियाणा सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर कोई व्यक्ति विवाह के लिए अपना धर्म छिपाता है, तो ऐसे विवाह को 'अमान्य' माना जाएगा। इस अधिनियम के तहत यदि कोई व्यक्ति धर्म छिपाकर विवाह करता है, तो उसे तीन से 10 साल की जेल और कम से कम तीन लाख रुपये व अधिकतम पांच लाख रुपये जुर्माना हो सकता है। नए धर्मांतरण कानून के अनुसार अगर ऐसे विवाह से संतान जन्म लेती है तो उसे कानूनी रूप से वैध माना जाएगा और उसे संपत्ति में उत्तराधिकार का पूरा अधिकार मिलेगा। गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव सुमिता मिश्रा ने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य धार्मिक स्वतंत्रता पर रोक लगाना नहीं, बल्कि शादी के नाम पर धोखे और जबरदस्ती धर्मांतरण जैसे मामलों को रोकना है। नए कानून में यह प्रविधान है।

आतंकी पन्नू ने सीएम मान को मारने की दी धमकी

अमृतसर। प्रतिबंधित संगठन सिख्स फॉर जस्टिस के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू ने एक बार फिर पंजाब का माहौल खराब करने की कोशिश की है। अमृतसर में बस स्टैंड के पास स्थित हिन्दू मंदिर, जिला अदालत परिसर और खालसा कॉलेज की दीवारों पर 'खालिस्तान जिंदाबाद' और अन्य भड़काऊ नारे लिखे जाने का दावा किया गया है। एसएफजे द्वारा जारी एक एडिटेड वीडियो में यह नारे स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में स्वच्छ रेफरेंडम जिंदाबाद भगवंत मान मुर्दाबाद जैसे भड़काऊ संदेश नजर आ रहे हैं। संगठन ने वीडियो के माध्यम से मुख्यमंत्री भगवंत मान द्वारा पंजाब में तिरंगा फहराने की योजना का विरोध करते हुए इसे लैंड पूलिंग योजना से जोड़ने की कोशिश की है। वीडियो में पन्नू ने मुख्यमंत्री को फरीदकोट में जान से मारने की धमकी भी दी है, जिससे राज्य में सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद फैसला

केंद्र सरकार ने लोकसभा से वापस लिया आयकर विधेयक बिल

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्र सरकार ने लोकसभा से आयकर विधेयक 2025 को वापस ले लिया है। विधेयक की जांच के लिए बनी प्रवर समिति की रिपोर्ट के बाद यह फैसला लिया गया। इस विधेयक को फरवरी में लोकसभा में पेश किया गया था। बताया जा रहा है कि नया विधेयक 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक 2025 को 13 फरवरी 2025 को लोकसभा में पेश किया था। विधेयक की जांच के लिए भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता में 31 सदस्यीय प्रवर समिति बनाई गई थी। समिति ने विधेयक की जांच की और 285 सुझाव दिए थे। समिति ने 21 जुलाई 2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत कर दी। केंद्र सरकार ने प्रवर समिति की लगभग सभी सिफारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली हैं। कुछ सुझाव भी प्राप्त हुए हैं जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल करने की आवश्यकता है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 वापस ले लिया। उन्होंने कहा कि सरकार प्रवर समिति की ओर से सुझाए गए बदलावों

को शामिल करने के बाद विधेयक को नए रूप में लेकर आएगी। बताया जा रहा है कि विधेयक का नया संस्करण 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा।सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी पीटीआई ने बताया कि विधेयक के विभिन्न संस्करणों के कारण भ्रम से बचने तथा सभी परिवर्तनों को शामिल करते हुए एक स्पष्ट और नया संस्करण उपलब्ध कराने के लिए आयकर विधेयक का नया संस्करण सोमवार को सदन में विचार के लिए पेश किया जाएगा। विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी दोनों सदनों में हंगामा किया। आज कार्यवाही शुरू होने के बाद सबसे पहले संसद के दोनों सदनों में भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ के अवसर पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और स्वतंत्रता आंदोलन में भूमिका निभाने वाले अन्य महापुरुषों को श्रद्धांजलि दी गई। लोकसभा ने जम्मू कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक को श्रद्धांजलि दी जिनका गत पांच अगस्त को लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया था। विपक्षी दलों के सदस्यों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर शुक्रवार को भी लोकसभा में हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही।

धार्मिक व परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुई: समिति

समिति ने कहा,विधेयक का घोषित मकसद इसे सरल बनाना है, लेकिन समिति को लगता है कि धार्मिक व परमार्थ ट्रस्ट के संबंध में एक महत्वपूर्ण चूक हुई है, जिसका भारत के एनपीओ क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर काफी प्रतिकूल असर पड़ सकता है। आयकर विधेयक, 2025 के खंड 337 में सभी पंजीकृत एनपीओ को मिलने वाले गुप्त दान पर 30 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें केवल धार्मिक उद्देश्यों के लिए स्थापित एनपीओ को ही सीमित छूट दी गई है। यह आयकर अधिनियम, 1961 की वर्तमान धारा 115बीबीसी से बिल्कुल अलग है। मौजूदा कानून में अधिक व्यापक छूट प्रदान की गई है। इसके मुताबिक, अगर कोई ट्रस्ट या संस्था पूरी तरह से धार्मिक और परमार्थ कार्यों के लिए बनाई गई हो, तो गुप्त दान पर कर नहीं लगाया जाता है। ऐसे संगठन आमतौर पर पारंपरिक माध्यमों (जैसे दान पेटियों) से योगदान प्राप्त करते हैं, जहां दान देने वाले की पहचान करना असंभव है। संसदीय समिति की रिपोर्ट में कहा गया है, समिति 1961 के अधिनियम की धारा 115बीबीसी में दिए गए स्पष्टीकरण के अनुरूप एक प्रावधान को फिर से लागू करने का पुरजोर आग्रह करती है।

राहुल को चुनाव आयोग की दो टूक

शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करें या फिर देश से माफी मांगें राहुल

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के आरोपों पर चुनाव आयोग ने पलटवार किया है। राहुल ने बीते दिन चुनाव आयोग पर वोट चोरी और भाजपा से मिलीभगत का आरोप लगाया था। इस पर चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा कि अगर कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता अपने विश्लेषण पर विश्वास करते हैं और मानते हैं कि चुनाव आयोग पर उनके आरोप सही हैं, तो उन्हें शपथ पत्र पर हस्ताक्षर करने में कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर राहुल ऐसा नहीं करते हैं, तो इसका मतलब होगा कि उन्हें अपने विश्लेषण, निष्कर्षों और बेतुके आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसी स्थिति में उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। इसलिए उनके पास दो विकल्प हैं- या तो घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करें या चुनाव आयोग पर बेतुके आरोप लगाने के लिए देश से माफी मांगें। इससे पहले कर्नाटक विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची में हेराफेरी के राहुल के आरोपों का संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने उन्हें शपथ-पत्र देकर

सबूत पेश करने को कहा था। इसके अलावा 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में धोखाधड़ी के राहुल के आरोपों के संबंध में वहां के राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने विपक्ष के नेता से एक शपथ पत्र प्रस्तुत करने कहा।और मतदाता सूची में कथित रूप से मतदाताओं के नाम शामिल करने या हटाने के प्रमाण प्रदान करने को भी कहा था। इससे पहले बीते दिन दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस वार्ता के दौरान विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया था। कि भारत के चुनाव आयोग और भाजपा के बीच मिलीभगत हुई थी, जिसके परिणामस्वरूप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना तीसरा कार्यकाल मिला। राहुल गांधी ने कहा, 'नरेंद्र मोदी सिर्फ 25 सीटों के अंतर से प्रधानमंत्री बने।

अमित शाह बोले

राहुल को निशाने पर लिया,बिहार के लिए किया काम बताया

सीतामढ़ी/ एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को बिहार के सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। सीएम नीतीश कुमार शिलान्यास व भूमि पूजन में उनके साथ रहे। शाह ने सीतामढ़ी से अमृत भारत एक्सप्रेस ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। इस दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लालू प्रसाद पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू लालू एंड कंपनी पार्लियामेंट में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रही है। मैं पूछने आया हूं मिथिलांचल वालों से कि मोदी जी को आतंकवादी को जवाब देना चाहिए या नहीं चाहिए? ऑपरेशन सिंदूर करना चाहिए या नहीं चाहिए? लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है कि नरेंद्र मोदी की सरकार है, भारतीय जनता पार्टी और एनडीए की सरकार है। यहां पर देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है। इतना ही नहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राहुल गांधी पर भी जमकर बोला। उन्होंने कहा कि राहुल जी, बंद कीजिए वोट बैंकों की राजनीति। मतदाता पुनरीक्षण पहली बार नहीं हो रहा। आपके परनाना नेहरु जी ने पहली बार किया था। 2003 अंतिम बार हुआ

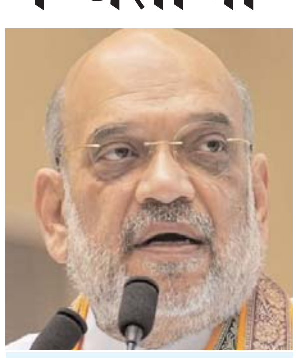

शाह ने सीता माता से जुड़े मंदिर की खासियत बताई

अमित शाह ने कहा कि इस परियोजना में वाल्मीकिनगर में 52 करोड़ से, 31 करोड़ से मधुबनी फुल्हर स्थान, 24 करोड़ से सीतामढ़ी के पंथपाकर, 23 करोड़ से अहिल्यास्थान, 13 करोड़ से रामरेखा घाट और 7 करोड़ से मुंगेर-गया के सीताकुंड के विकास का भी काम यह सरकार करने वाली है। राम-सीता की जहां भेंट हुई थी, वहां से लेकर उनसे जुड़े हर स्थान का पुनर्जीवन किया जाएगा। आदर्श बेटी, आदर्श पत्नी, आदर्श मां और आदर्श राजमाता का उदाहरण हैं माता सीता।

था। पहले से ही बिहार चुनाव हारने का बहाना तैयार कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लालू प्रसाद यादव के बाद तेजस्वी यादव पर भी जमकर भड़ास निकाली।

पत्रकार हत्याकांड के दो शूटर और झारखंड का कुख्यात अपराधी ढेर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पुलिस ने मात्र तीन घंटे के भीतर तीन एनकाउंटर में तीन कुख्यात अपराधियों को ढेर कर दिया। इनमें एक झारखंड का कुख्यात अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह शामिल है, जबकि सीतापुर में पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी हत्याकांड में वांछित दो शूटर भी पुलिस मुठभेड़ में मारे गए। पहली मुठभेड़ प्रयागराज जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में हुई। झारखंड के धनबाद निवासी कुख्यात अपराधी आशीष रंजन उर्फ छोटू सिंह की मौजूदगी की सूचना मिलने पर एसटीएफ प्रयागराज की टीम ने शिवराजपुर चौराहे के पास घेराबंदी की।

केंद्र सरकार ने संसद में बड़ा दावा किया

1962 के युद्ध को लेकर केंद्र का जवाब, कहा- चीन ने किया था 38 हजार वर्ग किमी भारतीय जमीन पर कब्जा

नई दिल्ली/ एजेंसी

1962 में हुए भारत-चीन युद्ध को लेकर केंद्र सरकार ने संसद में शुक्रवार को बड़ा दावा किया। केंद्र सरकार ने कहा कि 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद चीन ने लगभग 38,000 वर्ग किमी भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर रखा था। लोकसभा में एक प्रश्न के जवाब में विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में चीन के साथ द्विपक्षीय स्तर पर कई पहल की गई हैं। लोकसभा में एक प्रश्न में विदेश मंत्रालय से पूछा गया था कि क्या भारत सरकार के पास 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान चीन द्वारा कब्जाए गए क्षेत्रों के बारे में कोई डाटा है? क्या 1962 के बाद से चीन के साथ युद्ध के दौरान खोए गए क्षेत्रों को पुनः प्राप्त करने के लिए कोई कूटनीतिक प्रयास या पहल की गई है और उपर्युक्त वार्ता किस हद तक आगे बढ़ी है? इस पर विदेश राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा कि 1962 के युद्ध के अंत में चीन ने लगभग 38000 वर्ग किलोमीटर भारतीय क्षेत्र पर अवैध कब्जा कर

रखा था। जून 1981 में चीनी विदेश मंत्री हुआंग हुआ की नई दिल्ली यात्रा के बाद भारत और चीन ने दिसंबर 1981 से नवंबर 1987 तक सचिव स्तर पर औपचारिक सीमा वार्ता के आठ दौर आयोजित किए। तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 19-23 दिसंबर, 1988 की चीन की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने सीमा विवाद पर भारत-चीन संयुक्त कार्य समूह के गठन की घोषणा की। संयुक्त कार्य समूहों की बैठक हुई। कीर्तिवर्धन सिंह ने बताया कि 1989 से 2005 के बीच बैठक के कुल 15 राउंड हुए। उन्होंने बताया कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की 22-27 जून 2003 की चीन की यात्रा के दौरान दोनों पक्षों ने समग्र द्विपक्षीय संबंधों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य से सीमा समझौते की।

भाजपा नेता और गांधी स्मृति के उपाध्यक्ष विजय गोयल स्वतंत्रता दिवस से पहले नई दिल्ली में तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए।

खड़गे ने बीजेपी पर बोला हमला

फर्जी वोटों के कारण 2019 चुनाव हारी थी कांग्रेस-खड़गे

नई दिल्ल। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए वोट चोरी का आरोप लगाया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि पार्टी 2019 के आम चुनाव 'फर्जी वोटों' के कारण हारी थी। खड़गे ने कहा कि मौजूदा सरकार चोरी की सरकार है। मोदी फर्जी वोटों से इस देश को रुला रहे हैं।

मैंने 2019 में यह कहा था। अपने पूरे जीवन में, मैं 2019 के चुनावों में हारा हूँ, मैं भी फर्जी वोटों के कारण हारा हूँ, जो अब सामने आया है।

रक्षाबंधन पर केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

पीएम उज्ज्वला योजना के तहत 12000 करोड़ रुपये की मंजूरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत 2025-26 के लिए 12,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दे दी। रक्षाबंधन से ठीक पहले लिए गए इस फैसले से 10.33 करोड़ परिवारों को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही केंद्रीय कैबिनेट ने तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) को 30,000 करोड़ रुपये की एलपीजी सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को कैबिनेट में लिए इन फैसलों की जानकारी दी। देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए मई 2016 में पीएमयूवाई योजना शुरू की गई थी। 1 जुलाई तक, भारत में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं। सरकार की ओर से एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 9 रिफिल (और 5 किलोग्राम सिलेंडर के लिए आनुपातिक रूप से) के लिए 14.2 किलोग्राम सिलेंडर पर 300 रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी है। इस पर 12,000 करोड़ रुपये का व्यय होगा। भारत अपनी

एलपीजी आवश्यकता का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है। कैबिनेट बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को समावेशी विकास के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का उद्देश्य जनता के जीवन में बदलाव लाना है। अब तक 10.33 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन दिए जा चुके हैं। कैबिनेट ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पीएम उज्ज्वला लाभार्थियों के लिए 12,060 करोड़ रुपये की सहायता को मंजूरी दी है। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को तमिलनाडु में मरक्कनम-पुडुचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग को चार लेन का बनाने की परियोजना को मंजूरी दे दी।इस परियोजना पर कुल 2,157 करोड़ रुपये खर्च होंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडल समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। फिलहाल, चेन्नई, पुडुचेरी विलुप्पुरम और नागपट्टिनम के बीच संपर्क मौजूदा 2-लेन राष्ट्रीय राजमार्ग 332 और उससे जुड़े राज्य राजमार्गों पर निर्भर है।

CMYK

बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन चालकों को पेट्रोल पंपों में नहीं मिलेगा पेट्रोल

कलेक्टर-एसपी ने पेट्रोल पंप संचालकों व दोपहिया वाहन विक्रेताओं की बैठक लेकर दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बालोद। जिले में बिना हेलमेट पहने पेट्रोल पंपो में पेट्रोल एवं अन्य इंधन खरीदी हेतु जाने वाले दोपहिया वाहन चालकों को अब पेट्रोल नहीं मिलेगा। बालोद जिला एवं पुलिस प्रशासन द्वारा तेजी से बढ़ रहे, सड़क दुर्घटना की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु सख्त कदम उठाया गया है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने गुरुवार को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिले के पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं की बैठक लेकर इस संबंध में आवश्यक दिशानिर्देश दिए हैं। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि प्रत्येक नागरिकों की जीवन की सुरक्षा करना हम सभी की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान को सफल बनाने में समाज के सभी वर्गों की सहभागिता एवं सामाजिक भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने इस अभियान को सफल बनाने में पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं को महत्वपूर्ण कड़ी मानते हुए, उन्हें जनहित के इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी, अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा, जिला आबकारी अधिकारी योगेश द्विवेदी सहित पुलिस एवं अन्य अधिकारियों के अलावा जिले के पेट्रोल पंप संचालक एवं दोपहिया वाहन विक्रेता उपस्थित थे।

नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने संयुक्त जिला कार्यालय परिसर स्थित कलेक्टोरेट एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय तथा जिला पंचायत एवं रक्षित आरक्षी केन्द्र में दोपहिया वाहन से कार्यालय आने वाले सभी अधिकारी, कर्मचारियों के लिए भी हेलमेट का उपयोग सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। इस कार्य को सुनिश्चित कराने हेतु उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्धारित स्थानों पर पुलिस के जवानों की तैनातगी भी कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने दोपहिया वाहन के माध्यम से बिना हेलमेट पहने कार्यालय आने वाले तथा नियमों का अवहेलना करने वाले अधिकारी कर्मचारियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने बिना हेलमेट पहने दोपहिया वाहन के माध्यम से शासकीय कार्यालयों में आने वाले आम नागरिकों के विरूद्ध भी नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने आम नागरिकों को दोपहिया वाहन चलाते वक्त हेलमेट की महत्ता एवं उपयोगिता की जानकारी देने हेतु जनजागरूकता अभियान चलाकर इसका समुचित प्रचार प्रसार भी कराने के निर्देश दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने पेट्रोल पंपों में बैनर पोस्टर आदि के माध्यम से इसकी जानकारी देने तथा ग्रामीण क्षेत्रों में कोटवारों के माध्यम से मुनादि कराकर आम नागरिकों को इसके संबंध में जानकारी प्रदान कराने के निर्देश दिए।

शराब दुकानों के समीप आईएसआई मार्क वाले हेलमेट दुकान प्रारंभ कराई जाए

इसके अलावा उन्होंने सभी पेट्रोल पंपो में सीसीटीवी कैमरा की उपलब्धता सुनिश्चित कराकर, इसे पूरे समय क्रियाशील रखने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं को गुरूवार की बैठक में दिए गए निर्देशों का शतप्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के द्वारा नियमित रूप से सभी पेट्रोल पंपों का निरीक्षण किया जाएगा। प्रशासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन नहीं होने पर संबंधित पेट्रोल पंप संचालकों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। बैठक में सर्वसम्मति से जिले के शासकीय शराब दुकानों में दोपहिया वाहन के माध्यम से बिना हेलमेट पहने शराब खरीदी हेतु आने वाले लोगों को भी शराब की बिक्री नहीं करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि जान है तो जहान है इसलिए शराब दुकानों में भी दोपहिया वाहन में बिना हेलमेट पहने आने वाले लोगों को शराब की बिक्री प्रतिबंधित करना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने जिला आबकारी अधिकारी को इस संबंध में आदेश जारी कर इसका शतप्रतिशत पालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने इसका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने हेतु नियमित रूप से पुलिस बल के द्वारा पेट्रोलिंग कराने तथा निर्धारित स्थलों पर पुलिस जवानों की भी ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला आबकारी अधिकारी को परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर शराब दुकानों के समीप आईएसआई मार्क वाले हेलमेट दुकान प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने बिना हेलमेट पहनकर पेट्रोल पंप में पेट्रोल खरीदने के लिए आने वाले बच्चों को भी विशेष समझाईश देने को कहा।

एसपी ने कहा- जनहित में प्रशासन का हर संभव सहयोग करें लोग

बैठक में पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल ने कहा कि सड़क दुर्घटना आम नागरिकों के जीवन से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण विषय है। समाज के सभी वर्गों की सहभागिता एवं जनभागीदारी से ही सड़क दुर्घटना के रोकथाम सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने जिले के पेट्रोल पंप संचालकों से आग्रह किया कि विषय की गंभीरता को देखते हुए किसी भी स्थिति में दोपहिया वाहनों में बिना हेलमेट पहनकर आने वाले लोगों को किसी भी स्थिति में पेट्रोल न दें। उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम आम नागरिकों के उपर सख्ती बरतना बिल्कुल भी नहीं है। लेकिन सड़क दुर्घटना के दौरान होने वाल जनहानि को रोकने के लिए उन्हें हेलमेट के उपयोग के लिए प्रेरित करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं को इस अभियान का महत्वपूर्ण कड़ी मानते हुए जनहित में प्रशासन का हर संभव मदद करने की अपील भी की। उन्होंने कहा कि तेजी से बढ़ रहे सड़क दुर्घटना की रोकथाम सुनिश्चित करने तथा इस दौरान होने वाली जनहानि को रोकने हेतु उठाए गए इस महत्वपूर्ण कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करना समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों की नैतिक जिम्मेदारी भी है। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुनील चंद्रवंशी एवं अपर कलेक्टर अजय किशोर लकरा ने भी जिले में सड़क दुर्घटना की रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक सुझाव देते हुए जिले के पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं से इस महत्वपूर्ण अभियान को सफल बनाने हेतु प्रशासन का हर संभव सहयोग करने की अपील की। बैठक में उपस्थित पेट्रोल पंप संचालकों एवं दोपहिया वाहन विक्रेताओं से भी सुझाव लिया गया।

सड़क दुर्घटना में मृत्यु की दर में आ सकती है बहुत कुछ कमी : दिव्या मिश्रा

बैठक में कलेक्टर दिव्या मिश्रा ने दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट की उपयोगिता एवं महत्व के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि सड़क दुर्घटना में मृत्यु ज्यादातर सिर में गंभीर चोट लगने के कारण होती है। जिसका मुख्य कारण दोपहिया वाहन चालकों द्वारा हेलमेट का उपयोग नहीं करना है। इसलिए हम सभी कि नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि दोपहिया वाहन चालकों को वाहन चलाते वक्त अनिवार्य रूप से हेलमेट लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। इसके लिए हमें क्यों न, कठोर निर्णय भी लेना पड़े। उन्होंने कहा कि दोपहिया वाहन चालक हेलमेट का उपयोग करना सुनिश्चित कर दें, तो सड़क दुर्घटना में मृत्यु की दर में बहुत कुछ कमी आ सकती है। जिसे देखते हुए जिला एवं पुलिस प्रशासन के द्वारा सभी दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग कराने हेतु सख्त कदम उठाया जा रहा है। इसके अलावा कलेक्टर ने जिले के दोपहिया वाहन विक्रेताओं को उनके दुकानों से दोपहिया वाहन खरीदने वाले ग्राहकों को दोपहिया वाहन के साथ साथ अनिवार्य रूप से हेलमेट भी प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी पेट्रोल पंप संचालकों को परिवहन विभाग से समन्वय स्थापित कर पेट्रोल पंप के समीप आईएसआई मार्क वाले हेलमेट दुकान प्रारंभ करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जिला परिवहन अधिकारी को इस संबंध में शीघ्र जरूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

डुमरडीह में बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यशाला का आयोजन

उतई। ग्राम पंचायत डुमरडीह में परियोजना अधिकारी उषा झा के निर्देशन में 1 अगस्त से 7 अगस्त तक स्तनपान सप्ताह सह बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम सरपंच धर्मेंद्र बंजारे के साथ साथ खिलेश गायकवाड़, शिक्षा विभाग से पोषण लाल मारकंडे, सुरेखा मंडावी, जागृति मारकंडे, ज्योति देवांगन, महिला एवं बाल विकास विभाग से पर्यवेक्षक प्रमिला वर्मा एवं तृप्ति शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ सेक्टर पर्यवेक्षक प्रमिला वर्मा के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के उद्देश्य से किया गया जिसमें उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य शिशु लिंगानुपात में कमी लाना और बेटियों को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने से हैं।साथ ही स्तनपान सप्ताह में उपस्थित सभी धात्री माता को सिर्फ और सिर्फ स्तनपान तथा 6 माह से ऊपर के बच्चों को स्तनपान के साथ-साथ ऊपरी आहार के उपयोग करने के बारे में जानकारी प्रदान की। पर्यवेक्षक तृप्ति शर्मा ने सभी किशोरी बालिकाओं को पर्सनल हाइजीन और मासिक धर्म के समय स्वच्छता पर जागरूक किया। ग्राम सरपंच धर्मेंद्र बंजारे जी ने बाल विवाह को एक सामाजिक बुराई बताते हुए कहा कि शासन के द्वारा तय की गई उम्र सीमा 18 वर्ष से कम की लड़की तथा 21 वर्ष से कम उम्र में लड़के का विवाह कानूनन अपराध है। शासन द्वारा चलाई गई विभिन्न योजनाओं का लाभ गांव गांव तक पहुंचे इसलिए इस तरह के आयोजन शासकीय विभागों के द्वारा सभी पंचायत में किए जाते हैं इसका लाभ ग्राम वासियों को उठाना चाहिए। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ हेतु विभिन्न नारों के साथ स्कूली बालिकाओं की रैली निकाली गई एवं उपस्थित सभी लोगों के द्वारा बालिकाओं को बचाने और पढ़ाने हेतु शपथ लिया गया साथ ही छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प भी लिया गया।कार्यक्रम में बालिकाओं हेतु विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया एवं विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कशिश,द्वितीय स्थान काव्या एवं तृतीय स्थान गायत्री का रहा। वही कविता के लिए पीहू और चंचल को पुरस्कृत किया गया। राखी प्रतियोगिता में पायल ने प्रथम अदिति ने द्वितीय एवं मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के थीम पर आधारित रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कशिश,हनी द्वितीय स्थान निहारिका, काव्या एवं तृतीय स्थान अमर ज्योति का रहा।कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सुनीता राजपूत, प्रेमलता बंजारे, गीता झारिया, सरिता साहू माद्री ठाकुर सहायिका अहिमन जोशी संतोषी यदु, गर्भवती, धात्री एवं ग्रामीण महिलाएं तथा स्कूली किशोरी बालिकाएं शामिल हुई।

रक्षाबंधन की रौनक से गुलजार हुआ बेमेतरा बाजार, भाई-बहन के प्रेम का उत्सव जोरों पर

बेमेतरा। भाई-बहन के पवित्र प्रेम के प्रतीक रक्षाबंधन को लेकर बेमेतरा जिला मुख्यालय के बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। गली-गली में सजी राखियों की दुकानें, मिठाइयों की खुशबू और खरीदारी में जुटे लोगों की भीड़ ने पूरे शहर को उत्सव के रंग में रंग दिया है। हर चौक, हर बाजार में रक्षाबंधन की तैयारियों का माहौल दिख रहा है। बाजारों में पारंपरिक राखियों के साथ-साथ इस बार कस्टमाइज्ड, बच्चों के लिए कार्टून कैरेक्टर वाली, और डिजाइनर राखियों की मांग तेजी से बढ़ी है। दुकानदारों का कहना है कि इस बार बिक्री पिछले वर्षों की तुलना में अधिक हो रही है। रक्षाबंधन की थीम पर सजी दुकानों में रंग-बिरंगी राखियों की भरमार है। मिठाई की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है, जहां केसर बर्फी, सोहन पापड़ी और चॉकलेट बास्केट की सबसे ज्यादा डिमांड बनी हुई है। स्थानीय दुकानदार बताते हैं, इस बार ग्राहकों का रुझान कस्टमाइज राखियों की तरफ ज्यादा है। बाजार में नई वैरायटी आने से बिक्री में भी अच्छी तेजी देखी जा रही है। रक्षाबंधन की तैयारियों ने न सिर्फबाजारों को, बल्कि पूरे जिले को उत्सवमय बना दिया है। व्यापारियों और आमजन में उम्मीद है कि आने वाले दिनों में खरीदारों की भीड़ और बढ़ेगी और बाजार की रौनक अपने चरम पर पहुंचेगी।

डॉ नरेंद्र साहू को मिली शहर कांग्रेस की कमान लोकसभा व निकाय चुनाव में शिकस्त से बदलाव

डोंगरगांव कांग्रेस संगठन में फेरबदल का दौर प्रारंभ

डोंगरगांव नगर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एआईसीसी के संगठन सृजन के ऐलान के बाद से देशभर में जारी संगठन सृजन के दौर के तहत छत्तीसगढ़ कांग्रेस में सांगठनिक फेरबदल प्रारंभ हो गया है। इसी क्रम में बहुप्रतीक्षित डोंगरगांव शहर कांग्रेस में बड़ा बदलाव करते हुए डॉ नरेंद्र साहू को मुख्यालय नगर में मंडल अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कांग्रेस की वायरल सूची मुताबिक मंडल अध्यक्ष डॉ नरेंद्र साहू, उपाध्यक्ष श्रुति शुक्ला, रितेश राजपूत व नियाजुद्दीन सोलंकी, कोषाध्यक्ष महेंद्र भोंसले, सचिव चंद्रशेखर उइके, राकेश साहू व गोल्डी खोब्रागढ़े, सहसचिव अमित ठाकुर, इदरीश सोलंकी व बेबी खान, सोशल मीडिया समन्वयक पुष्पेंद्र नेताम, कार्यकारणी सदस्यों में लक्ष्मी साहू, वैशाली बोरकर, संदीप रत्नाकर, रुकमणी साहू, प्रियंक जैन, बशीर खत्री, प्रदीप रत्नाकर, भारती चक्रधारी व कमलेश साहू के नाम शामिल हैं। नई टीम ने प्रदेश, जिला व ब्लॉक संगठन सहित विधायक के प्रति आभार जताया है। सूत्रों की माने तो लोकसभा एवं निकाय चुनाव में मुख्यालय नगर में एकतरफा हार के बाद से ही संवादहीनता एवं विपरीत कार्यशैली के शिकायतों से शहर कांग्रेस में बड़े बदलाव के आसार बन गए थे। अंततः पीसीसी के निर्देशन में पुरानी टीम को सिरे से खारिज कर लगभग नई टीम को जिम्मेदारी देकर संगठन द्वारा सख्त संदेश दिया गया है।

सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा द्वारा भोजली माता का विसर्जन

बेमेतरा। सरस्वती शिशु मंदिर बेमेतरा मे हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीप प्रज्वलित कर माता भोजली की स्थापना की गई थी, जिसका विसर्जन प्राचार्य मालिक राम वर्मा के संरक्षण में एवं लक्ष्मी वर्मा तथा तारिणी साहू के नेतृत्व में आज की गई! इस विसर्जन के अवसर पर सभी कक्षा के बहने एवं भैया ने अपना योगदान दिया तथा देवेंद्र देवांगन के नेतृत्व में घोष दल के बच्चों द्वारा सम्मान पूर्वक माता भोजली का विसर्जन, सिंघौरी नगर के पास स्थित तालाब में किया गया! इस विसर्जन में समस्त आचार्य एवं दीदीयाँ उपस्थित रहे! यह सूचना प्रचार प्रसार प्रमुख केशो सिंह वर्मा द्वारा प्रचार प्रसार हेतु दी गई है!

बोड़ला में ड्यूटी के दौरान कोटवार की पीट-पीटकर हत्या

कवर्धा। जिले के बोड़ला विकासखंड अंतर्गत एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां गांव की सुरक्षा और प्रशासनिक सूचनाओं का संवाहक माने जाने वाले कोटवार की हत्या कर दी गई। यह घटना प्रशासनिक तंत्र की कानून व्यवस्था पर गम्भीर सवाल खड़े करती है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भीरा के कोटवार नरेंद्र मानिकपुर की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। यह वीभत्स घटना कल शाम लगभग 6 से 7 बजे के बीच की बताई जा रही है, जब कोटवार खारिया पंचायत के ग्राम मांदीभाटा किसी कार्य से गया हुआ था।

वहीं गांव के ही एक बैगा व्यक्ति से विवाद हो गया, जो जानलेवा मारपीट में बदल गया। हमले में कोटवार की मौके पर ही मौत हो गई। मामले की पुष्टि करते हुए पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान हो गई है और उसे जल्द गिरफ्तार कर कानूनी कार्यवाही की जाएगी। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों में आक्रोश है कि सरकारी कार्य कर रहे कर्मचारियों की जान भी अब सुरक्षित नहीं है। स्थानीय लोगों ने इस घटना को प्रशासनिक लापरवाही बताया है। भाजपा शासनकाल में लगातार बढ़ती हिंसक घटनाओं और कमजोर कानून व्यवस्था को लेकर विपक्ष भी हमलावर हो सकता है। प्रश्न यह उठता है कि जब गांव की सबसे छोटी प्रशासनिक कड़ी कोटवार ही सुरक्षित नहीं है, तो आम ग्रामीण कैसे सुरक्षित रहेंगे ।

बिजली बिल हॉफ योजना बंद करने पर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

बेमेतरा। जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार भाजपा सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ योजना बंद करने पर आज बिजली ऑफिस कार्यालय के बाहर जमकर प्रदर्शन किया इस दौरान कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने बताया कि कांग्रेस की सरकार ने पिछले 5 वर्षों तक विपरीत परिस्थितियों में भी बिजली उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए बिजली बिल हाफ योजना शुरू किया था जिसका लाभ प्रदेश के 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को मिलता था जिससे 5 साल में लगभग प्रत्येक उपभोक्ता का लगभग 40 से ?50000 तक की राशि का बचत हुआ है कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किए गए 400 यूनिट बिजली बिल हाफ के दायरे में प्रदेश का लगभग हर उपभोक्ता आता था किसी को बिजली की खपत माग 600 यूनिट था तो या उससे भी अधिक था तो उसके पहले 400 यूनिट तक बिजली की खपत पर बिजली बिल आधा हो जाता था शेष पर ही उसको पूरा बिल देना पड़ता था कांग्रेस सरकार के द्वारा चालू की गई इस योजना को भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है पिछले माह ही सरकार ने बिजली के दाम चौथी बार बढ़ाया था घरेलू खपत पर 10 से 20 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई गैर घरेलू बिजली की तार में 25 पैसे प्रति यूनिट महंगी कर दी गई सर्वाधिक बढ़ोतरी कृषि पंप के बिजली के दामों में 50 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि करके की गई थी डेढ़ साल के भीतर साय सरकार ने घरेलू बिजली की दरों में अब तक कुल 80 पैसे की प्रति यूनिट की बढ़ोतरी कर दी है भाजपा सरकार बनने के बाद आम जनता को मांग के अनुसार बिजली नहीं मिल रही है बिजली कटौती और लो वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव की जनता जूझ रही हैं सावन माह का अंतिम सप्ताह चल रहा है प्रदेश में बारिश कम हुई है विशेष कर बेमेतरा जिले और छत्तीसगढ़ राज्य के कई जिलों में वर्षा औसत से भी कम हुई है किसी कार्य के लिए बिजली की आवश्यकता है और ऐसे में बिजली बिल हाफ योजना का बंद किया जाना छत्तीसगढ़ के आम जनता किसान और गरीब परिवार के ऊपर कुठाराघात है जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने कहा कि आज जिले की स्थिति ऐसी है कि अगर कहीं ट्रांसफार्मर जल जाए तो उसे सुधारने में महीना लग जा रहे हैं किसानों की फसल को सर्वाधिक आवश्यकता आज पानी की है और ऐसे में विद्युत विभाग के अधिकारी कर्मचारी खुद भी परेशान है राज्य सरकार की वजह से नये ट्रांसफार्मर कहां से लाएं और कैसे बदली करें क्योंकि भाजपा सरकार ट्रांसफार्मर की खरीदी कर नहीं रही है तथा भाजपा के जन् प्रतिनिधियों को जनहित की कोई भी समस्या दिखाई नहीं देती है उन्हें सिर्फ और सिर्फ जनता को कैसे लूटा जा सकता है लोगों के जेब में कैसे डाका डाला जा सकता है इससे फुर्सत नहीं मिल रही है कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के ऐसे अन्याय पूर्ण फैसले का विरोध करती है कोयला हमारा पानी हमारी जमीन हमारी और हमें ही महंगे दर पर बिजली बेचा जा रहा है सरकार के इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ कांग्रेस पूरे प्रदेश में यह आंदोलन कर रही है आज कांग्रेस पार्टी के प्रति लोगों में सम्मान और विश्वास बढ़ा है आम जनता को समझ में आ रहा है कि भाजपा को सत्ता में बिठाकर उन्होंने बहुत बड़ी गलती कर डाली है यह सरकार ना शिक्षा दे पा रही है ना स्वास्थ्य को लेकर गंभीर है इस सरकार का एकमात्र उद्देश्य शराब की बिक्री बढ़ाकर कितना ज्यादा पैसा कमाया जा सकता है उसमें ही केंद्रित है छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व संसदीय सचिव एवं पूर्व विधायक है गुरदयाल सिंह बंजारे ने भी संबोधित किया उन्होंने भाजपा सरकार के द्वारा बिजली बिल हाफ योजना को बंद करने तथा मात्र 100 यूनिट तक सीमित करने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज एकल बत्ती कनेक्शन के घरों में भी 100 यूनिट से ज्यादा बिजली की खपत है ऐसे में भाजपा सरकार के द्वारा कांग्रेस सरकार के द्वारा प्रारंभ की गई जनहित ऐसी योजना का बंद किया जाना जनता के विश्वास को धोखा देना है जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा किए गए इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं तथा आम जनता ने अपनी भागीदारी निभाई आज के प्रदर्शन कार्यक्रम में ललित विश्वकर्मा महामंत्री जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा लुकेश वर्मा सुरेंद्र तिवारी नंद साहू टी आर जनार्दन विजय बघेल ओम दाऊ हरीश साहू सुशीला जोशी रवि परगनिया चंद्र प्रकाश साहू जोगिंदर छाबड़ा मनोज शर्मा रवि रजक दयासिंह वर्मा प्रांजल तिवारी राजू साहू टोकेश्वर वर्मा प्रकाश ठाकुर रश्मि मिश्रा रूबी सलूजा नारायण छाबड़ा अजय राज सेन वैभव मिश्रा सुमित राजपूत सनत धर दीवान दीवान अमित वर्मा दीपक दिनकर राजेंद्र वर्मा ओनी महिलांग धनराज बंजारे रामखिलावन साहू बहल वर्मा लोकनाथ यादव खिलावन परगनिहा चेतन बंजारे कृष्णा चतुर्वेदी रमाकांत साहू जितेन जोशी राजकुमार बंजारे भाव सिंह राज विजय यादव सतीश मार्कंडेय डॉ शिशिर दुबे घनश्याम वर्मा गोलू इंदर चंद जैन अखिलेश प्रसाद राजेश सिंह नायक गणेश अमलेश निषाद राधे ध्रुव राजेश साहू गौरीशंकर शर्मा सहदेव साहू दिलहरन साहू अनिल दुबे गौरव छाबड़ा देवा गर्ग सीताराम यदु बलवंत साहू राजकुमार सेन गुड्डू सेन गोविंदा राजपूत भुनेश्वर वर्मा भीखम साहू देवशरण साहब कौनेन अली झगरु सिन्हा शिशिर शर्मा जयप्रकाश राज कमल साहू सहित कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे

विजय जैन मित्तल मीडिया एसोसिएशन के दूसरी बार बालोद जिले का अध्यक्ष बने

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन द्वारा चौदह जिलों में प्रभार नियुक्त किया गया जिसके चलते जिला ब्यूरो चीफ विजय जैन मित्तल को दूसरी बार बालोद जिले का अध्यक्ष नियुक्त किया गया। जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन के प्रदेश संरक्षक टी.एस.कंवर के निर्देश एवं प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे की अनुशंसा से नए पदाधिकारियों के लिए जारी हुआ पदभार आदेश, जिसका उद्देश्य संगठन के कार्यों को ज्यादा प्रभावी ढंग से संचालित करना है साथ ही संगठन को मजबूत करते हुए कंधे से कंधा मिलाकर काम करना है। नये प्रभार में बालोद जिला अध्यक्ष विजय जैन मित्तल, जशपुर जिला अध्यक्ष हरि जायसवाल, बलरामपुर जिला अध्यक्ष अखिलेश साहू, कोरिया जिला प्रभारी एम डी अजेमुदीन अंसारी, सक्ति जिला प्रभारी अमीर चंद्र अग्रवाल, कोंडागांव जिला प्रभारी सिद्धार्थ महाजन, राजनांदगांव जिला प्रभारी उमेश कोठले, कांकेर जिला प्रभारी तपन बोस, बेमेतरा जिला प्रभारी हिमाचल शर्मा, कोरबा जिला प्रभारी अभिषेक तिवारी,बलौदाबाजार जिला प्रभारी थानेशवर साहू, बस्तर जिला प्रभारी सुमित बाजपेई, धमतरी जिला प्रभारी मोतीराम पटेल और कबीरधाम जिला प्रभारी लोकेश नाग को नियुक्त किया गया। सभी नवीन पदाधिकारियों ने प्रदेश संरक्षक टी. एस. कंवर , प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश रात्रे एवं संभाग अध्यक्ष गोपी वर्मा का धन्यवाद करते हुए कहा कि हमें जो जिम्मेदारी दी गई है उसे पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निभाते हुए संगठन के लिए सदैव कार्य करेंगे। जिला ब्यूरो चीफ विजय जैन मित्तल को बीते समय पर निष्पक्ष और पारदर्शी पत्रकारिता के लिए छत्तीसगढ़ समता साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ द्वारा अवार्ड 2025 अलंकरण से सम्मानित भी किया गया था साथ ही छत्तीसगढ़ मीडिया एसोसिएशन द्वारा दूसरी बार बालोद जिले का जिला अध्यक्ष बनाए जाने पर उम्मीद की जा रही है कि संगठन में ज्यादा मजबूती आयेगी और पत्रकारों के हित में कार्य भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

वन्दना ऑटो के पास सिटी प्लस बार की स्वच्छता व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम में प्राप्त गन्दगी सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेकर नगर निगम आयुक्त श्री विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और जोन 7 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा द्वारा दिए गए निर्देशानुसार नगर निगम जोन 7 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री आत्मानंद साहू की उपस्थिति में प्राप्त जनशिकायत की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने जोन 7 क्षेत्र अंतर्गत शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड क्रमांक 37 क्षेत्र अंतर्गत जीई मार्ग में वन्दना ऑटो के समीप सिटी प्लस बार की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान किचन में गन्दगी पायी गयी और प्राप्त जनशिकायत सही पायी गयी इस पर निगम जोन 7 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने भविष्य के लिए कड़ी चेतावनी देते हुए सिटी प्लस बार के संचालक पर तत्काल 10000 रूपये का जुर्माना किया और नगर निगम को गन्दगी सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया।

रायपुर रेलवे स्टेशन पर बिना लाइसेंस चल रही दुकानों पर कार्रवाई सभी स्टॉल किए गए बंद

रायपुर। रायपुर रेलवे स्टेशन में लंबे समय से बिना लाइसेंस संचालित हो रहे टी स्टॉल, फूड ट्रॉलियां और फ्रूट ट्रॉलियों पर आखिरकार रेलवे प्रशासन ने सख्त कदम उठाया है। उच्च अधिकारियों के निर्देश पर रेलवे के कमर्शियल विभाग की टीम ने स्टेशन पर संचालित सभी अनधिकृत दुकानों को बंद करवा दिया है। जानकारी के अनुसार, जिन दुकानों को बंद किया गया है, वे एक कैटरिंग एजेंसी द्वारा चलाई जा रही थीं, जिसका लाइसेंस 20 जुलाई को समाप्त हो चुका था। लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बावजूद ये दुकानें नियमों को दरकिनार कर लगातार संचालन में थीं। कार्रवाई के दौरान सीनियर डीसीएम, एसीएम सहित अन्य कमर्शियल अधिकारी मौके पर पहुंचे और तत्काल प्रभाव से सभी दुकानों को सील करवा दिया। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि जब तक लाइसेंस फीस का नवीनीकरण नहीं हो जाता, तब तक इन दुकानों से किसी भी प्रकार की बिक्री नहीं की जाएगी। इसके साथ ही रेलवे प्रशासन ने रायपुर स्टेशन पर अनबुक्ड लगेज को लेकर भी सख्ती बरतने का निर्णय लिया है। वर्तमान में रायपुर स्टेशन से बड़ी मात्रा में सब्जी और फल की लोडिंग की जा रही है, जबकि पहले यह कार्य दुर्ग रेलवे स्टेशन से होता था। वहां की सख्त कार्रवाई के बाद अब कई व्यापारी रायपुर स्टेशन पर पहुंच गए हैं। इस पर भी अब निगरानी बढ़ा दी गई है और बिना बुकिंग के माल परिवहन पर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

पुरानी रंजिश में मारपीट करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। थाना क्षेत्र के ग्राम मडकड़ा में पुरानी बात को लेकर जान से मारने की धमकी देते हुए मारपीट करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने चाकू दिखाकर और डंडे से पीटकर प्रार्थी को धमकाया था। ग्राम मडकड़ा निवासी कौशलेश यादव ने कसडोल थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 17.06.2025 को दोपहर 2 बजे जब वह स्कूल चौक के पास खड़ा था, तभी तिरिथ राम केवट वहां आया और उसे तालाब के पास ले जाकर गाली-गलौज करने लगा। जब कौशलेश ने उसे रोका तो तिरिथ ने जान से मारने की धमकी देते हुए उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। कुछ देर बाद आरोपी फिर से कौशलेश के घर पहुंचा और चाकू-डंडा लेकर जान से मारने की धमकी देते हुए डंडे से उसकी पिटाई की। इस शिकायत के आधार पर कसडोल थाने में धारा 296, 351(3), 115(2), 333 बीएनएस और 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के निर्देश पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी तिरिथ राम केवट (44) को हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को 05.08.2025 को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अवैध शराब के खिलाफ कांकेर पुलिस का विशेष अभियान 12 आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले में अवैध शराब के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कांकेर पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आबकारी एक्ट के तहत कुल 11 प्रकरणों में कार्यवाही कर 25 लीटर से अधिक शराब जब्त की है, जिसकी बाजार कीमत करीब 10,100 रुपये आंकी गई है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री आई.के. एलिसेला (भा.पु.से.) के निर्देश पर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री आकाश श्रीश्रीमाल (भा.पु.से.), कांकेर के एएसपी श्री दिनेश सिन्हा तथा अनुविभागीय अधिकारी श्री मोहसीन खान के मार्गदर्शन में यह कार्यवाही की गई। पुलिस टीम ने शहर में दिन और रात के दौरान पैदल गश्त व पेट्रोलिंग कर अवैध शराब कारोबार, सार्वजनिक स्थलों में शराब सेवन तथा नशीले पदार्थों के सेवन से संबंधित गतिविधियों पर सख्ती से निगरानी रखी। मुखबिर की सूचना के आधार पर 5 व 6 अगस्त की रात को विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। प्रमुख कार्यवाहियाँ:बरदेभाटा चौक में शराब बेचते हुए पकड़े गए रामेश्वर यादव के पास से देशी शराब जब्त की गई। पंडरीपानी चौक में सतीश जैन को अंग्रेजी शराब के साथ पकड़ा गया। सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीते हुए 9 व्यक्तियों को पकड़ा गया, जिनमें सेन चौक, अलबेलापारा तालाब, मुक्तिधाम, पंडरीपानी पुलिया सहित अन्य जगहों से गिरफ्तारियाँ की गईं। पंडरीपानी-नरहरपुर मार्ग पर दो व्यक्तियों अरुण कोरेटी और चोवा राम ध्रुवे के कब्जे से 25 बियर की बोतलें और एक बाइक जब्त की गई। इन मामलों में आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धाराओं 34(1), 34(2) और 36(च) के तहत एफआईआर दर्ज की गई हैं। साथ ही, सार्वजनिक स्थलों में हुल्लड़बाजी करने वाले आरोपियों के खिलाफअलग से प्रतिबंधात्मक धाराओं में कार्रवाई कर उन्हें न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में थाना कांकेर के प्रभारी निरीक्षक मनीष नागर, अजाक प्रभारी राम कुमार साव एवं उनकी टीम ङ्क उप निरीक्षक सुरेंद्र मानिकपुरी, मनोरथ जोशी, रामेश्वर चतुर्वेदी, महिला प्रआर हितेश्वरी चेलक, आरक्षक कृष्णा यादव, देवेन्द्र मंडावी, अमर नेताम, शिव नेताम आदि की अहम भूमिका रही। पुलिस की यह कार्यवाही शहर में शांति, सुरक्षा और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गिरौधपुरी धाम के विकास के लिए 2 करोड़

अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के कोचिंग के लिए 50 लाख की स्वीकृति

- अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण का बजट 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ किया गया
- अनुसूचित जाति वर्ग के पांच युवाओं को हर साल पायलट बनाने दी जाएगी आर्थिक सहायता

रायपुर/ संवाददाता

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज जांजगीर-चांपा जिले के जिला पंचायत सभाकक्ष में आयोजित अनुसूचित जाति विकास प्राधिकरण की बैठक में प्राधिकरण के बजट को 50 करोड़ से बढ़ाकर 75 करोड़ रुपये करने की स्वीकृति दी गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने निर्देश दिए कि प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों को सभी कलेक्टर्स गंभीरता से लें और उन्हें उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि अब प्राधिकरण की बैठक हर वर्ष समय पर आयोजित होगी और कार्यों की गहन समीक्षा की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि संविधान की मंशा के अनुरूप अनुसूचित जाति समुदाय के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक उत्थान के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा प्रदत्त संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करते हुए हम बाबा गुरु घासीदास जी के 'मनखे-मनखे एक समान' के संदेश को आत्मसात कर समाज में सम्मान और समानता की भावना को सशक्त कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुँचे, यह सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जांजगीर-चांपा जिले को इस बैठक के लिए विशेष रूप से इसलिए चुना गया क्योंकि यह अनुसूचित जाति बाहुल्य क्षेत्र है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य अपनी स्थापना के 25वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है, और अब समय आ गया है कि हम विकास की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित करें। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की संकल्पना के अनुरूप राज्य में विकास के कार्य हुए हैं। अनुसूचित जाति समाज के समुचित विकास के लिए प्राधिकरण एक सशक्त माध्यम है, जिसके माध्यम से सरकार ठोस प्रयास कर रही है।मुख्यमंत्री श्री साय ने गिरौधपुरी धाम के विकास के लिए 2 करोड़ रुपये, अजा वर्ग के विद्यार्थियों हेतु कोचिंग व्यवस्था के लिए 50 लाख रुपये, प्रत्येक वर्ष अनुसूचित जाति वर्ग के 5 युवाओं को पायलट प्रशिक्षण हेतु सहायता, तथा जोड़ा जैतखंभ के निर्माण में सीमेंट के साथ-साथ लकड़ी के उपयोग हेतु राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। साथ ही, दिल्ली में संचालित ट्राइबल यूथ हॉस्टल में सीट संख्या बढ़ाकर 200 करने की जानकारी दी और विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु इसका लाभ लेने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने आगामी समय में सभी जिला मुख्यालयों में 'नालंदा परिसर' के निर्माण की भी बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक के दौरान प्राधिकरण मद से स्वीकृत कार्यों के वर्षों से लंबित रहने पर गहरी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि भले ही प्राधिकरण के कार्यों की राशि कम हो, लेकिन उनका सामाजिक महत्व अत्यंत बड़ा है। इन कार्यों का समय पर पूर्ण न होना चिंता का विषय है। बैठक को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में अनुसूचित जाति समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री की सोच समाज के वंचित वर्ग को मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में स्पष्ट है। उन्होंने सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कृषि के विद्यार्थियों ने सीखा खेती में ड्रोन का उपयोग-कुलपति गिरीश चंदेल

- इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में ड्रोन तकनीक पर सात दिवसीय कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

रायपुर। संवाददाता

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में कृषि में ड्रोन के उपयोग विषय पर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 जुलाई से 06 अगस्त, 2025 तक कृषि महाविद्यालय, रायपुर में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के प्लेसमेंट सेल, अखिल भारतीय समन्वित खरपतवार प्रबंधन परियोजना एवं न्यू स्काई-कलश वेंचर्स के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी के 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया। तीन दिन प्रतिभागियों को कलश वेंचर्स के ट्रेनर्स ने ड्रोन के हार्डवेयर, कृषि में उपयोगिता और इसमें व्यवसाय खड़ा करने की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कौशल प्रशिक्षण के चौथे, पांचवे एवं छठे दिन प्रतिभागियों ने ट्रेनर्स के मार्गदर्शन में ड्रोन उड़ाना सीखा। प्रशिक्षण के अंतिम दिन प्रतिभागियों का लिखित मूल्यांकन किया गया। कार्यक्रम के समापन में डॉ. गिरीश चंदेल, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर द्वारा प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र वितरित किये गए। डॉ. चंदेल ने आधुनिक कृषि में ड्रोन के प्रभावी उपयोग और इसके माध्यम से फसलों की निगरानी पर अपने विचार व्यक्त किये। उन्होंने प्रतिभागियों से प्रशिक्षण कार्यक्रम का फीडबैक भी लिया। डॉ. चंदेल ने कहा कि अब ये सारे प्रतिभागी हमारे अन्य विद्यार्थियों को भी इस क्षेत्र में व्यवसाय की संभावनाएं तलाशने हेतु जागरूक करेंगे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर डॉ. संजय शर्मा अधिष्ठाता छात्र कल्याण, डॉ. आरती गुहे अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रायपुर, डॉ. विनय पांडेय अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय रायपुर, डॉ. एस.एस. टूटेजा निदेशक विस्तार सेवाएं, महाविद्यालय के विभिन्न विभागाध्यक्ष, प्लेसमेंट सेल के अधिकारी एवं छात्र छात्राएं उपस्थित थे। संपूर्ण प्रशिक्षण ट्रेनर श्री सुभाशीष पटनायक, द्वारा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीतीश तिवारी, डॉ. रामा मोहन सावू एवं डॉ. शुभा बैनर्जी ने किया।

हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ी ग्राम बघमरा की महिलाओं की सशक्त पहल

- अब तक 6,000 से अधिक तिरंगे तैयार
- आत्मनिर्भरता और देशभक्ति की मिसाल बनीं महिलाएं

रायपुर/ संवाददाता

15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हर घर तिरंगा अभियान पूरे उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। बालोद जिले के ग्राम बघमरा में यह अभियान महिला सशक्तिकरण एवं आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायक मिसाल बन गया है। यहाँ की चार स्व-सहायता समूहों की महिलाएं तिरंगा झण्डा बनाने में जोर-शोर से जुटी हैं। अब तक इन महिलाओं द्वारा 6,000 से अधिक तिरंगे झंडे तैयार किए जा चुके हैं, जिससे उन्हें लगभग दो लाख रुपये की आय प्राप्त हुई है। यह पहल न केवल स्थानीय महिलाओं के लिए आजीविका का नया माध्यम बनी है, बल्कि राष्ट्रभक्ति और गौरव का भाव भी उनमें सशक्त रूप से जागृत कर रही है। इन समूहों द्वारा तैयार किए गए तिरंगे स्थानीय बाजारों, दुकानों और शासकीय कार्यालयों में स्थापित स्टॉल्स के माध्यम से उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जय कपिलेश्वर समूह की श्रीमती तिजन बाई ने बताया कि, हमारी सिलाई मशीनें दिन-रात चल रही हैं। हर झंडे में हमारा प्रेम और देशभक्ति की भावना समाहित होती है। यह कार्य हमें आत्मनिर्भर बना रहा है और देशसेवा का गौरव भी प्रदान कर रहा है। सहेली समूह की श्रीमती देवकी विश्वकर्मा ने कहा कि पहले हम छोटे-मोटे कार्यों पर निर्भर थे, लेकिन इस अभियान ने हमें एक नई पहचान दी है। तिरंगा बनाना केवल कार्य नहीं, बल्कि देश के लिए कुछ कर गुजरने का जुनून है। नवज्योति समूह की श्रीमती सरोजनी साहू ने गर्व के साथ बताया कि हमारी मेहनत से तैयार तिरंगे जब गाँव और जिले के घरों में लहराते हैं, तो आत्मगौरव की अनुभूति होती है। हमारा प्रयास है कि हर घर में तिरंगा फहराया जाए और हमारा गाँव इस अभियान में अग्रणी बने। इन समूहों द्वारा बनाए जा रहे तिरंगों की गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। सिलाई मशीनों के माध्यम से महिलाएं राष्ट्रध्वज के तीन रंग केसरी, सफेद और हरे को संयोजित कर सटीकता के साथ तैयार कर रही हैं। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा ने जिलेवासियों से हर घर तिरंगा अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील की है। उन्होंने कहा कि महिला समूहों के द्वारा मेहनत से बनाए गए तिरंगे आपके घरों की शान बनेंगे। 15 अगस्त को अपने घर पर तिरंगा फहराकर देशभक्ति का पर्व मनाएं। बिहान के सहायक परियोजना अधिकारी ने बताया कि जिले में अब तक 13 स्वयं सहायता समूहों द्वारा 8,000 से अधिक तिरंगे झंडे तैयार कर विक्रय किए जा चुके हैं।

जेल अधीक्षक रायपुर द्वारा जारी आदेश

ढेबर को तीन माह के लिए सभी प्रकार के मुलाकात से किया गया प्रतिबंधित..

- जेल परिसर की सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को गंभीरता से लिया जाएगा

रायपुर/ संवाददाता

केन्द्रीय जेल रायपुर से श्री शोएब ढेबर पिता श्री अनवर ढेबर को सभी प्रकार के मुलाकात से आगामी तीन माह के लिए प्रतिबंधित किया गया है। श्री शोएब ढेबर द्वारा जेल अधिकारियों की अनुमति के बिना जबरदस्ती मुलाकात कक्ष में प्रवेश कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, इस आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है। जेल अधीक्षक रायपुर द्वारा जारी आदेश अनुसार श्री शोएब ढेबर ने अधिवक्ता मुलाकात के समय संबंधित अधिकारियों द्वारा मना किए जाने के बावजूद जबरन प्रवेश किया, जिससे जेल के सुरक्षा और संचालन व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न हुआ। इस घटना की जांच उप जेल अधीक्षक श्री एम.एन. प्रधान द्वारा की गई, जिनकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि श्री शोएब ढेबर द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करना सत्य है। जेल नियमावली के नियम 690 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक द्वारा आदेश जारी करते हुए श्री शोएब ढेबर को तीन माह तक किसी भी बंदी से किसी भी प्रकार की मुलाकात से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल परिसर की सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति रोकने हेतु कड़े कदम उठाए जाएंगे।

अवैध शराब के साथ तीन युवक गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने अभियान चलाकर अवैध शराब बेचते तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 82 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर पुलिस ने सतनाम नगर पुरैना निवासी भूपेन्द्र ठाकुर 33 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 27 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं अभनपुर पुलिस ने आरोपी लीलाराम तारक 34 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास 35 पाव देशी शराब जब्त किया है। इसी तरह खरोरा पुलिस ने ग्राम अमसेना में आरोपी मंजु बंजारे 25 वर्ष को गिरफ्तार किया है।

दो से अधिक बार शराब तस्करी पर होगी संपति जब्ती की कार्रवाई

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में शीघ्र शुरू हो ओपीडी: उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

- उपमुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री शर्मा ने विभागीय योजनाओं और नवाचारों की समीक्षा
- मनरेगा, पीएम आवास, महतारी वंदन से लेकर जल जीवन मिशन तक सभी योजनाओं की गहन समीक्षा'

रायपुर/ संवाददाता

उपमुख्यमंत्री एवं बस्तर जिले के प्रभारी मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज जगदलपुर स्थित जिला कार्यालय के प्रेरणा सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा जिले में किए जा रहे नवाचारों और योजनाओं के क्रियान्वयन की गहन समीक्षा की उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि यदि कोई व्यक्ति दो से अधिक बार शराब या अन्य नशे की तस्करी में संलिप्त पाया जाता है, तो उसकी संपत्ति जब्त करने की कानूनी कार्यवाही तत्काल आरंभ की जाए। उन्होंने नशा उन्मूलन के लिए पुलिस विभाग, जनप्रतिनिधियों और दवा व्यापारियों के साथ समन्वय बैठक आयोजित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने जगदलपुर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शीघ्र ओपीडी सेवा प्रारंभ करने को कहा, ताकि आम जनता को विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं सुलभ हो सकें। उपमुख्यमंत्री ने राज्य और राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे स्थित ग्राम पंचायतों में कॉम्प्लेक्स निर्माण कर पंचायतों को स्वावलंबी बनाने का सुझाव दिया, जिससे पंचायतों को स्थायी राजस्व प्राप्त हो सके। उन्होंने पंचायत सचिवों को अविवादित बंटवारे के मामलों को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देने और जनजागरूकता हेतु मुनादी एवं होर्डिंग लगाने के निर्देश भी दिए। मिलेट्स उत्पादन करने वाले किसानों के उत्पाद को बाजार तक पहुँचाने की ठोस व्यवस्था बनाने तथा मक्का उत्पादक किसानों को स्प्रिंकलर एवं विभागीय योजनाओं से जोड़ने की बात भी कही। बैठक में पंचायत विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, अटल डिजिटल सुविधा केंद्र, महतारी सदन, दीनदयाल अंत्योदय योजना, बिहान, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), आत्मसमर्पित नक्सली एवं नक्सल पीड़ित हितग्राहियों को प्रथम किश्त के उपरांत आवास की प्रगति, ग्राम पंचायतों में पंजी संधारण की स्थिति, डीपीआरसी ट्रेनिंग सेंटर, स्वच्छ भारत मिशन तथा आगामी तीन माह की कार्ययोजना की भी समीक्षा की गई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने गृह विभाग के अंतर्गत अवैध शराब, सट्टा, जुआ, गोधन तस्करी, यातायात नियंत्रण, हिट एंड रन, मोटरयान अधिनियम की धाराओं पर की गई कार्रवाई, ड्राइविंग लाइसेंस निलंबन, गुम इंसानों के प्रकरण और एनडीपीएस एक्ट के मामलों की स्थिति की जानकारी ली गई। स्वास्थ्य विभाग द्वारा किए गए नवाचारों, आयुष्मान कार्ड वितरण, मोबाइल हेल्थ वैन संचालन, जनऔषधि केंद्रों की उपलब्धता, सिकलसेल डायग्नोसिस, डॉक्टरों और पैरा मेडिकल स्टाफ की स्थिति तथा आगामी तीन माह के लिए निर्धारित कार्ययोजना की समीक्षा की गई। वन विभाग द्वारा किए गए लाख उत्पादन, तेंदूपत्ता बोनस वितरण, चरण पादुका वितरण और निर्माण कार्यों की स्थिति की समीक्षा के साथ-साथ कैंपा मद में दो वर्षों के आवंटन और व्यय की जानकारी भी ली गई।

संपादकीय

ट्रंप की दादागिरी के आगे न झुके सरकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अचानक से भारत को लेकर बेहद आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने भारत पर 25त्र टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्स्ट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले का क्या असर पड़ सकता है, इस बारे में सरकार आकलन कर रही है। बातचीत के रास्ते खुले हैं और वह होनी भी चाहिए, लेकिन इस मामले में भारत को अपने हितों को भी मजबूती से रखना होगा।ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। रोड़ा अटका हुआ है कृषि और डेयरी सेक्टर पर। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप इन दोनों सेक्टर में अमेरिका के लिए खुली छूट चाहते हैं। ऐसा करना भारतीय किसानों के हित में नहीं होगा और सरकार को इस मामले में बिल्कुल भी नहीं झुकना चाहिए। व्यापार एकतरफा फायदे को देखकर नहीं किया जा सकता। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के साथ असहमति की जो वजहें गिनाई हैं, उसमें रूस से तेल खरीदना प्रमुख है। 2022 तक भारत की तेल आपूर्ति में रूस का हिस्सा सिर्फ 1 प्रतिशत था। आज यह आंकड़ा 35-40प्रतिशत है, और जरूरत पड़ने पर इससे पीछे हटना संभव है, क्योंकि अब रूसी तेल पर पहले जितना फायदा नहीं हो रहा। लेकिन, यहां बात केवल फायदे नहीं, दो देशों के रिश्तों और हक की भी है। भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। आखिर अमेरिका ने भी तो उस पाकिस्तान के साथ डील की, जो वैश्विक मंचों पर कई बार आतंकवाद की शरणस्थली साबित हो चुका है।ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर। जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ। ब्रिटेन, वियतनाम से डील के बावजूद टैरिफ बढ़ रहा है। इसी तरह, ईयू के कई देश नाराज हैं क्योंकि आयात शुल्क औसत 4.8प्रतिशत से बढ़कर अब 15प्रतिशत हो चुका है। यानी किसी भी सूरत में टैरिफ की स्थिति पहले वाली नहीं रहेगी। इसलिए भारत को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए।रुबियो ने भारत को अमेरिका का सहयोगी और रणनीतिक भागीदार बताया है। उनके देश को चीन का सामना करने के लिए भारत जैसे सहयोगी की दरकार है। लेकिन, उनका बर्ताव एक दोस्त जैसा नहीं है। भारत को अगर कुछ मामलों में अमेरिका की जरूरत है, तो अमेरिका को भी कई जगह भारत का साथ चाहिए।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

(ललित गर्ग)

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेय जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है। बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूक्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है। वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है। बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यक्ति को सिंहासन पर बैठा दिया। यूक्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2त्र तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की कुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5त्र की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है। भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पार्टी के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30 प्रतिशत, अंगोला पर 15 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हर्जेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, कंबोडिया पर 19, कैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉर्वे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, सर्बिया पर 35, दक्षिण अफ्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, ट्यूनीशिया पर 25, टर्की पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किंगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। सबसे ज्यादा टैक्स रेट वाले देशों में सीरिया को 41, स्विट्जरलैंड को 39, लाओस और म्यांमार को 40, इराक और सर्बिया को 35 और लीबिया और अल्जीरिया को 30 प्रतिशत की सीमा में रखा गया हैं जबकि ताइवान, भारत और वियतनाम जैसे अन्य देश 20 से 25 प्रतिशत की सीमा में हैं। इस सबके पीछे भारत का वैश्विक मंच पर बढता कद, स्वदेशी उत्पादन की वृद्धि, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बढता ग्राफ, ब्रिक्स करैन्सी की योजना, रूस के साथ गहरे संबंध, चीन के साथ कायम होता संतुलन, मालदीप जैसे देशों का पुनः जागता भारत प्रेम जैसे अनेक कारण हैं जिनके कारण डोनाल्ड ट्रंप अपनी गिरती साख को बचाने के लिए मुहम्मद तुगलक बनकर एक पागल बादशाह का पर्याय बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार भारत पर षडयंत्र शस्त्र से आक्रमण नहीं किया है बल्कि इतिहास के पन्नों में उसकी घातक मानसिकता के संदर्भ भरे पडे हैं। सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध होने के कारण देश के हालत चिन्ताजनक हो गये थे। उसके बाद सन् 1965 में भारत को पाकिस्तान से युद्ध करना पड गया। तब अमेरिका से आने वाले अनाज पर ही देश पूरी तरह निर्भर था। ऐसे में युद्ध के मध्य ही अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बेन्स जॉनसन ने भारत को अनाज देने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि भारतवासी अब अमेरिका के सामने घुटना टेककर आत्मसमर्पण कर देंगें मगर देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने अपने नागरिकों के साथ मिलकर हरित क्रांति शंखनाद करके अमेरिका के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। इसी तरह सन् 1998 में परमाणु परीक्षण के दौरान भी अमेरिका ने भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया किन्तु देश एक बार फिर अपने आत्मविश्वास की दम पर सीना ताने खडा रहा। आज देश में मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक, कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल फोन तक, अत्याधुनिक मशीनरीज से लेकर भारी संयत्रों तक का निर्माण हो रहा है। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक में भारत का डंका बज रहा है। ऐसे में दबाव की राजनीति, दमन का षडयंत्र और पीठ में छुरा भौंकने में माहिर अमेरिका अपनी खोखली धमकियों और देश में स्लीपर सेल के रूप में छुपे मीर जाफरों की दम पर भारत को एक बार फिर झुकाने का मंसूबा पाल बैठा है जो आने वाले समय में आत्मघाती कदम हो सकता है।

राजनीति में भद्रता की मिसाल थे अरुण जेटली, उन पर धमकाने का आरोप लगाना घटिया राजनीति है

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूंढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है।

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं।

राहुल गांधी ने स्वर्गीय पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पर जो आरोप लगाये हैं वह बेहद निचले स्तर की राजनीति है। राहुल गांधी अमीर घराने से जरूर हैं लेकिन सभ्यता के मामले में बेहद गरीब हैं क्योंकि वह यह सामान्य-सी बात भी नहीं जानते कि हमारे धर्म और संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि स्वर्गीय व्यक्ति के प्रति कभी भी अनादर नहीं प्रकट करना चाहिए। राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि अरुण जेटली ने उन्हें धमकाया जबकि असलियत यह है कि स्वर्गीय अरुण जेटली जनवरी 2019 से ही एक तरह से बिस्तर पर थे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी 2019 में जब जेटली को बतौर वित्त मंत्री लोकसभा चुनावों से पहले संसद में अंतरिम बजट पेश करना था तब उनकी अमेरिका में सर्जरी होने की वजह से उनकी जगह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। उसके बाद जेटली की जगह पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था।

हम आपको यह भी बता दें कि अरुण जेटली की 14 मई 2018 को किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हुई थी और उसके बाद से वह घर से ही काम कर रहे थे। वह अपने मंत्रालय की बैठकों में भी ऑनलाइन शामिल होते थे और अत्यंत आवश्यक होने पर ही लोगों से मुलाकात करते थे क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें किसी से मिलने से मना किया हुआ था। ऐसे में राहुल गांधी का यह दावा कि अरुण जेटली उन्हें धमकाने गये थे ना सिर्फ सफेद झूठ है बल्कि देश के ईमानदार नेताओं में शुमार रहे व्यक्ति की छवि पर प्रहार भी है। देखा जाये तो राहुल गांधी कहने को तो कांग्रेस के लीगल कॉन्कलेव में बोल रहे थे लेकिन यहां बातें उन्होंने इल-लीगल कह दीं।

दूसरी ओर, राहुल के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, मेरे पिता का 2019 में निधन हो गया था, जबकि कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। राहुल गांधी का यह दावा समय-सीमा के हिसाब से असंभव है। रोहन ने यह भी कहा कि अरुण जेटली लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते थे और कभी भी दबाव की राजनीति नहीं करते थे। रोहन ने कहा कि वह संवाद और सहमति निर्माण में विश्वास रखते थे। यदि कोई राजनीतिक मतभेद होता भी, तो वे खुली और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करते थे। उन्होंने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि दिवंगत नेताओं को राजनीतिक विवादों में न घसीटें। रोहन जेटली ने कहा कि राहुल गांधी ने मनोहर पर्रिकर जी के मामले में भी कुछ ऐसा ही किया था। कृपया डिपेर्ड लीडर को शांति से रहने दें।

इस बीच, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने - पर लिखा, राहुल गांधी के झूठ अब बर्दाश्त से बाहर हैं। वह बार-बार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का नाम अपनी कल्पनाओं से भरे बयानों में घसीटते हैं। यह दावा कि अरुण जेटली जी ने उन्हें कृषि कानूनों पर धमकाया, न सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि पूरी तरह से शर्मनाक और घृणित है। प्रमोद सावंत ने यह भी याद दिलाया कि राहुल गांधी ने स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर के मामले में भी गलत बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राफेल सौदे पर झूठा आरोप लगाने के लिए पर्रिकर जी से मुलाकात का गलत अर्थ प्रस्तुत किया था। ऐसे बयान न केवल तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, बल्कि उन नेताओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

बहरहाल, देखा जाये तो राहुल गांधी की यह आदत बन गयी है कि वह राजनीतिक लाभ के लिए दिवंगत नेताओं के नाम और छवि का इस्तेमाल करते हैं। यह न केवल राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अनुचित है। साथ ही ऐसे बयानों से न केवल राजनीतिक विमर्श का स्तर गिरता है, बल्कि दिवंगत नेताओं की छवि भी अनावश्यक रूप से विवादों में घसीटी जाती है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे तथ्यों के साथ अपनी दलीलें रखें और व्यक्तिगत या मृत नेताओं पर हमले करने से बचें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका में ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिला खेलों के लिए नहीं मिलेगा वीजा, ट्रंप का बड़ा फैसला

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार रूप से अमेरिकी वीजा को लेकर नए और सख्त कानून लाने की प्रक्रिया तेज कर चुके है। जहां अब वीजा ओवरस्टे के बाद ट्रंप प्रशासन ने खेल वीजा को लेकर भी एक नया नियम लागू करने का फैसला किया है। इसके तहत बताया गया है अब ट्रांसजेंडर महिलाओं को महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए वीजा नहीं मिलेगा। प्रशासन के अनुसार इस नियम का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि महिलाओं के खेलों में केवल महिला खिलाड़ी ही भाग लें। इस नए नियम को अमेरिकी की नागरिकता और आव्रजन सेवा (यूएससीआईसी) ने जारी किया है। बता दें कि यह नया नियम अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के आदेश कीप मेन आउट वूमेन स्पोर्ट्स (पुरुषों को महिलाओं के खेलों से बाहर रखें) के अनुसार बनाया गया है। इस आदेश में कहा गया है कि जो पुरुष खिलाड़ी महिलाओं के खेलों में हिस्सा लेने के लिए अपने लिंग पहचान को बदलते हैं, उन्हें अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

अमेरिका में वीजा ओवरस्टे रोकने की तैयारी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन एक नई योजना शुरू कर रहा है, जिसके तहत कुछ विदेशी नागरिकों को अमेरिका आने से पहले 15,000 अमेरिकी डॉलर (लगभग 12.5 लाख रुपये) तक का जमानती बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। यह योजना उन लोगों पर लागू होगी जो टूरिस्ट (बी-2) या बिजनेस (बी-1) वीजा पर अमेरिका आते हैं। यह नियम उन देशों के नागरिकों पर लागू हो सकता है। जहां से आने वाले लोगों के वीजा ओवरस्टे (यानी तय समय से ज्यादा रुकना) के मामले ज्यादा होते हैं। जहां नागरिकता आसानी से दी जाती है, जैसे कि बिना वहां रहने की शर्त के निवेश द्वारा नागरिकता के जरिए होती है। या जहां की स्क्रीनिंग और जांच प्रणाली कमजोर मानी जाती है। हालांकि अमेरिका ने अभी तक यह स्पष्ट नहीं किया है कि किन-किन देशों को इस योजना में शामिल किया जाएगा। लेकिन कहा गया है कि योजना लागू होने से कम से कम 15 दिन पहले देशों की सूची जारी की जाएगी। इस मामले में कांसुलर अधिकारी यह तय करेंगे कि किस आवेदक को कितनी राशि की जमानत देनी है। जानकारी के मुताबिक, यह राशि अधिकतम 15,000 डॉलर तक हो सकती है। और अगर व्यक्ति तय समय पर अमेरिका से लौट जाता है, तो यह राशि वापस कर दी जाएगी। अमेरिका में यह योजना इस महीने (अगस्त 2025) से शुरू हो रही है। इसका परीक्षण 12 महीने तक चलेगा और 5 अगस्त 2026 तक प्रभावी रहेगा।

कैलिफोर्निया के जंगल में लगी भीषण आग, तीन लोग घायल

सैक्रामेण्टो, एजेंसी। मध्य कैलिफोर्निया के लॉस पैड्रेस राष्ट्रीय वन में भीषण आग फैल गई है। अधिकारियों ने बताया कि आग लगने से सैकड़ों घरों को खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पाने के दौरान अब तक कम से कम तीन लोग घायल हो गए हैं।

ताइवान की सीमा में चीनी सैन्य विमानों ने फिर की घुसपैठ

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय (एमएनडी) ने अपने क्षेत्र के आसपास चीनी सेना पीएलए के विमानों, 5 पीएलएएन जहाजों और 1 आधिकारिक जहाज की 12 उड़ानें दर्ज कीं। एमएनडी ने एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि 12 में से 8 उड़ानें मध्य रेखा को पार करके ताइवान के उत्तरी और पूर्वी एडीआईजेड में प्रवेश कर गईं। हमने स्थिति पर नजर रखी है और कार्रवाई की है। सोमवार को भी ताइवानी रक्षा मंत्रालय ने अपने क्षेत्र के आसपास पीएलए विमानों, छह पीएलएएन जहाजों और एक आधिकारिक जहाज की 5 उड़ानें देखीं। रविवार को भी चीन ने ऐसा ही किया था और ताइवान के क्षेत्र में घुसपैठ कर उसकी संप्रभुता को चुनौती दी थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, मंगलवार तड़के तिब्बत में 3.0 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार 3:25 बजे, 10 किलोमीटर की गहराई पर आया।

पाकिस्तान के पीओआर कार्ड रद्द करने से बढ़ा अफगान शरणार्थियों का संकट

काबुल , एजेंसी।
पाकिस्तान में रह रहे हजारो अफगान नागरिकों के लिए बड़ा संकट खड़ा हो गया है। हाल ही में पाकिस्तान ने अफगान शरणार्थियों को दिए पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड रद्द कर दिए हैं, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया जा रहा है और जबरन पाकिस्तान से बाहर निकाला जा रहा है। स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी है। पाकिस्तानी अधिकारियों द्वारा अफगान शरणार्थियों की गिरफ्तारी और निर्वासन ने प्रवासियों के बीच चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्थिति को संभालने के लिए अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सरकारों के बीच बातचीत की मांग तेज हो गई है।

अफगान मीडिया आउटलेट टोलो न्यूज ने मंगलवार को पाकिस्तान में एक अफगान प्रवासी शबाना के हवाले से कहा, उम्मीद थी कि पीओआर कार्ड रखने वाले अफगान प्रवासियों को कम से कम छह महीने की मोहलत दी जाएगी, लेकिन दुर्भाग्य से, पाकिस्तान के एकतरफा फैसले के कारण अफगान प्रवासियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है।

एक अन्य अफगान प्रवासी ने कहा कि पाकिस्तानी सरकार ने अपना पुराना फैसला बदल दिया है और अब अफ़गान प्रवासियों की वापसी के लिए एक योजना बनाकर उसे लागू कर रही है।

इस्लामाबाद स्थित अफगानिस्तान दूतावास ने घोषणा की है कि पिछले तीन दिनों में रावलपिंडी और इस्लामाबाद में कम से कम 800 अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से 380 लोगों को वैध शरणार्थी दस्तावेज होने के बावजूद जबरन निर्वासित कर दिया गया। दूतावास ने कहा कि यह कदम एकतरफा उठाया गया, जिसमें अफगान सरकार, संयुक्त राष्ट्र या यूएनएचसीआर का कोई समन्वय नहीं था।

इस्लामाबाद स्थित अफगान दूतावास की प्रवासन मामलों की उर्सुला हक्कयार ने कहा, हमारे कार्यालय से मिली रिपोर्टों के आधार पर, पाकिस्तानी सेना ने 800 अफगान प्रवासियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से 380 के पास वैध कार्ड थे, लेकिन फिर भी उन्हें निर्वासित कर दिया गया।

प्रवासी अधिकार कार्यकर्ता मोहम्मद खान मोहम्मदजई ने कहा, ऐसी परिस्थितियों में, प्रवासियों, खासकर जिनके पास कानूनी दस्तावेज हैं, के अधिकारों की रक्षा करना वर्तमान अफगान सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों, दोनों की जिम्मेदारी है।

इससे पहले, अफगानिस्तान के शरणार्थी और प्रत्यावर्तन मंत्रालय के एक उप मंत्री ने जोर देकर कहा था कि पड़ोसी देशों से अफगान प्रवासियों का जबरन निर्वासन अंतरराष्ट्रीय और इस्लामी कानून, दोनों का उल्लंघन है। उन्होंने मेजबान देशों से प्रवासियों के अधिकारों के सम्मान का आग्रह किया था।

31 जुलाई को जारी संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त की रिपोर्ट में कहा गया कि सितंबर 2023 से अब तक लगभग 12 लाख अफगान पाकिस्तान से लौटे हैं। रिपोर्ट में, यूएनएचसीआर ने उल्लेख किया कि लौटने वाले कई अफगानों को गंभीर परिस्थितियों का सामना करना पड़ रहा है।

एजेंसी ने कहा कि अकेले 2025 में 3,15,000 से ज्यादा अफगान अफगानिस्तान वापस आए, जिनमें 51,000 ऐसे थे जिन्हें पाकिस्तानी अधिकारियों ने जबरन निर्वासित कर दिया था।

ऑस्ट्रेलिया में चाकू से जानलेवा हमला करने के बाद किशोरी गिरफ्तार

सिडनी , एजेंसी।
ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में एक किशोरी ने अन्य किशोरी पर चाकू से हमला कर हत्या कर दी। पुलिस ने उसे घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सिडनी से 110 किलोमीटर उत्तर में न्यूकैसल शहर के उपनगर एजवर्थ में सोमवार रात लगभग 10:20 बजे चाकू से हमले की सूचना मिलने पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया। अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और एक किशोरी को चोटिल पाया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उसे गंभीर हालत में अस्पताल ले जाने से पहले एम्बुलेंस पैरामेडिक्स द्वारा उपचार दिया गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई। एक दूसरी किशोरी, जिसके बारे में पुलिस ने बताया कि वह पीड़िता को जानती थी, को घटनास्थल से गिरफ्तार किया गया। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पीड़िता 13 साल की थी और गिरफ्तार की गई लड़की 14 साल की है। मंगलवार सुबह तक, पुलिस ने कोई आरोप नहीं लगाया था। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने एक बयान में कहा कि अपराध स्थल का पता लगा लिया गया है, जिसकी विशेषज्ञ अधिकारियों द्वारा फोरेंसिक जांच की जाएगी, और पुलिस अधिकारियों ने लड़की की मौत की परिस्थितियों की जांच शुरू कर दी है। ये घटना सिडनी के पश्चिमी उपनगर में एक व्यक्ति द्वारा महिला की हत्या करने के एक दिन बाद सामने आई है। हमलावर ने महिला पर चाकू से ही वार किया था। बयान में कहा गया कि रविवार शाम 5 बजे के कुछ ही देर बाद, मध्य सिडनी से 28 किलोमीटर पश्चिम में माउंट प्रिचर्ड स्थित एक अस्पताल में चाकू के घाव के साथ एक महिला के पाए जाने की सूचना पर आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था। एम्बुलेंस पैरामेडिक्स पहुंचे और 62 वर्षीय महिला का इलाज किया, लेकिन उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

नेतन्याहू-न्यायपालिका के बीच बढ़ा गतिरोध

इस्राइल ने अटॉर्नी जनरल को हटाने के लिए मतदान किया

यरूशलम, एजेंसी।
इस्राइली कैबिनेट ने सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को अटॉर्नी जनरल गली बहाराव-मियारा को बर्खास्त करने के लिए सर्वसम्मति से मतदान किया। इससे प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और न्यायपालिका के बीच लंबे समय से चल रहा गतिरोध और बढ़ गया है। आलोचक मानते हैं कि यह इस्राइल की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए खतरा बन सकता है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने इस्राइली सरकार के इस फैसले पर रोक लगा दी है। अदालत का कहना है कि जब तक वह यह तय नहीं कर लेती कि यह फैसला सही है या नहीं, तब तक इसे लागू नहीं किया जा सकता है।

पीएम और समर्थकों का आरोप-बेवजह सरकार के फैसलों को रोक रहीं गली: पीएम नेतन्याहू और उनके समर्थकों का आरोप है कि अटॉर्नी जनरल गली निर्वाचित सरकार के फैसलों को रोककर अपनी शक्तियों का अतिक्रमण कर रही हैं। उन्होंने इस्राइल की आंतरिक सुरक्षा एजेंसी के प्रमुख को बर्खास्त करने के एक सरकारी फैसले को रोका, जबकि यह एक गैर-राजनीतिक पद है। उन्होंने कहा कि हितों का टकराव है, क्योंकि पीएम नेतन्याहू और उनके कई पूर्व सहयोगी कई आपराधिक जांचों का सामना कर रहे हैं।

नेतन्याहू पर न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करने का आरोप: वहीं, आलोचक पीएम नेतन्याहू पर आरोप लगाते हैं कि वे न्यायिक स्वतंत्रता को कमजोर करना चाहते हैं और देश की सत्ता को पूरी तरह अपनी गठबंधन सरकार के हाथ में रखना चाहते हैं, इस्राइल के इतिहास में सबसे राष्ट्रवादी और धार्मिक मानी जाती है। वहीं, नेतन्याहू ने इन आरोपों से इनकार किया है। उनका कहना है कि अदालतें और मीडिया उनके खिलाफ मिलीभगत करके उन्हें निशाना बना रहे हैं।

नेतन्याहू सरकार ने न्यायपालिका में बदलाव का किया था प्रयासन्न नेतन्याहू सरकार ने 2023 में न्यायपालिका में अमूल-चूल परिवर्तन करने का प्रयास किया था, जिसके चलते महीनों तक बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए। कई लोगों का मानना है कि सरकार के इस कदम से देश की सुरक्षा कमजोर हो गई, और शायद इसी वजह से सात अक्तूबर 2023 को हमास का बड़ा हमला हो सका, जिससे गाजा में युद्ध शुरू हो गया।

नागरिक संगठन ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की आपात याचिका: गवर्नेंस फॉर क्वालिटी इन इस्राइल नामक एक नागरिक संगठन ने सरकार के इस फैसले को अवैध बताया है और सुप्रीम कोर्ट में आपातकालीन याचिका दायर की है। संगठन का कहना है कि 15,000 से ज़्यादा लोगों ने इस याचिका का समर्थन किया है। एक बयान में, संगठन ने सरकार पर आरोप लगाया है कि जब वह मौजूदा नियमों के तहत अटॉर्नी जनरल को कानूनी रूप से हटाने में विफल रही, तो उसने नियम ही बदल दिए। संगठन ने नेतन्याहू के चल रहे मुकदमे से जुड़े हितों के टकराव का भी हवाला दिया। समूह ने कहा, यह फैसला अटॉर्नी जनरल की भूमिका को एक राजनीतिक नियुक्ति में बदल देता है। जब तक इस गलत फैसले को पलटा नहीं जाता, तब तक कानूनी लड़ाई जारी रहेगी।

धरती के नीचे छिपा है एक अनदेखा जीवन! चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की चौंकाने वाली खोज

बीजिंग/ओटाया, एजेंसी।
जहां एक ओर दुनिया मंगल ग्रह और अन्य ग्रहों पर जीवन की तलाश में अरबों डॉलर खर्च कर रही है, वहीं चीन और कनाडा के वैज्ञानिकों की एक अभूतपूर्व खोज ने पृथ्वी के अंदर छिपे जीवन की परतें खोल दी हैं। यह अध्ययन यह साबित करता है कि हमारी धरती की गहराईयों में–जहां न तो सूर्य की रोशनी पहुंची है, न ही जीवन के लिए पारंपरिक शर्तें मौजूद हैं–एक विशाल और सक्रिय जीवनमंडल मौजूद है।

चीनी विज्ञान अकादमी के गुआंगझोउ इंस्टीट्यूट ऑफ जियोकेमिस्ट्री के प्रोफेसर झू जियानक्सी और हे होंगपिंग ने कनाडा के अल्बर्टा विश्वविद्यालय के प्रोफेसर कर्ट कोनहॉसर के साथ मिलकर यह शोध किया। उनका निष्कर्ष है कि पृथ्वी की गहराइयों में मौजूद सूक्ष्मजीव – जिनमें प्रमुख रूप से प्रोकैरियोट्स होते हैं–सूरज की रोशनी की बजाय भूगर्भीय घटनाओं से मिलने वाली ऊर्जा पर निर्भर करते हैं।

इन जीवों की संख्या इतनी अधिक है कि वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि ये पृथ्वी के कुल जीवों की 95त्न तक आबादी का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। ये सभी एककोशिकीय जीव होते हैं, जिनमें झिल्ली-बद्ध कोशिकांगों की अनुपस्थिति के कारण इन्हें प्राचीन और आदिम जीवन रूप माना जाता है। कैसे जिंदा रहते हैं ये जीवन रूप?

शोधकर्ताओं ने पाया कि धरती के नीचे जब भूकंप आते हैं, तो चट्टानों में दरारें उत्पन्न होती हैं। जब इन दरारों से पानी गुजरता है, तो यह चट्टानों के साथ रासायनिक अभिक्रिया करता है, जिससे हाइड्रोजन गैस और प्रतिक्रियाशील ऑक्सीजन जैसी ऊर्जा-युक्त यौगिक उत्पन्न होते हैं। इनसे इलेक्ट्रॉनों का प्रवाह शुरू होता है, जो सूक्ष्मजीवों की जैविक क्रियाओं को संचालित करता है।

शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में पृथ्वी के सामान्य सिलिकेट खनिज क्वार्ट्ज़ के साथ यह प्रक्रिया दोहराई। उन्होंने पाया कि जब क्वार्ट्ज़ पर तनाव पड़ता है और वह टूटता है, तब उसकी सतह जल के संपर्क में आकर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन यौगिकों का निर्माण करती है। यह प्रक्रिया भूमिगत जीवन के लिए ऊर्जा प्रदान करती है, बिलकुल किसी बैटरी की तरह।

यह सब संकेत करता है कि भूमिगत जीवन न केवल संभव है, बल्कि यह पृथ्वी के इतिहास में जीवन की उत्पत्ति का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हो सकता है।

कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास नहीं बदल सकता, जो होना है वो होगा, अमेरिकी धमकी पर रूस का बयान

मॉस्को, एजेंसी। रूस से कच्चा तेल खरीदने के लिए अमेरिका द्वारा भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया गया है। अब सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर टैरिफ की दर बढ़ाने की धमकी दी। अब इस पर रूस की सरकार का बयान भी आ गया है। रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने अमेरिका द्वारा रूस के सहयोगी देशों पर लगाए जा रहे टैरिफ और प्रतिबंधों की तीखी आलोचना की। रूसी विदेश मंत्रालय ने इसे नव-उपनिवेशवादी एजेंडा करार दिया है। उन्होंने कहा कि राजनीति के चलते आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। जब मारिया जाखारोवा से पूछा गया कि अमेरिका ने वैश्विक दक्षिण के रूस के सहयोगी देशों पर टैरिफ दर बढ़ा दी है तो अमेरिका की इस नीति को आप कैसे देखते हैं? इस पर मारिया जाखारोवा ने कहा कि दुर्भाग्य से प्रतिबंध आज के समय की हकीकत है, जिसका असर पूरी दुनिया के देशों पर पड़ा है। अमेरिका अपने घटते प्रभुत्व को स्वीकार नहीं कर पा रहा है और अब दुनिया में बहुपक्षीय अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उभर रही है, लेकिन इसके बावजूद अमेरिका नव-उपनिवेशवाद एजेंडा चला रहा है। राजनीति से प्रेरित होकर उन देशों पर आर्थिक दबाव बना रहा है, जो अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्वतंत्र होकर फैसले ले रहे हैं। रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता ने कहा कि यह कदम मुक्त व्यापार के उन सिद्धांतों का ही उल्लंघन है, जिसकी वकालत पश्चिमी देश ही करते थे। अब संरक्षणवाद को बढ़ावा दिया जा रहा है और मनमाने तरीके से टैरिफ और प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं। लैटिन अमेरिका में हमारे रणनीतिक साझेदार देश ब्राजील इस नीति का प्रमुख पीड़ित है। अमेरिका की यह कार्रवाई दूसरे देशों के आंतरिक मामलों में दखल की कोशिश है। इन चिंताओं के अलावा वैश्विक आर्थिक विकास के भी धीमा होने, आपूर्ति श्रृंखला के बाधित होने का भी खतरा है। रूस ने कहा कि हमारा विश्वास है कि कोई भी टैरिफ युद्ध या प्रतिबंध इतिहास के प्राकृतिक घटनाक्रम को नहीं रोक सकता। हम हमारे सहयोगियों, समान विचारधारा वाले देशों और खासकर वैश्विक दक्षिण के अपने सहयोगी देशों का समर्थन करते हैं और इनसे ऊपर हम ब्रिक्स का समर्थन करते हैं। रूस ने ये भी कहा कि हम अपने सहयोगी देशों के साथ सहयोग को बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

यूके की पहली महिला एमआई5 प्रमुख स्टेला का निधन, 90 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

लंदन, एजेंसी।
ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई5 की पहली महिला प्रमुख और बाद में एक सफल थ्रिलर लेखिका बनी स्टेला रिमिंगटन का सोमवार (स्थानीय समयानुसार) को निधन हो गया। उनके परिवार ने बताया कि स्टेला 90 वर्ष की थीं। स्टेला रिमिंगटन ने एमआई5 की पहली महिला प्रमुख बनकर इतिहास रचा। कहा जाता है कि फिल्म अभिनेत्री जूडी डेंच, जिन्होंने सात जेम्स बॉन्ड फिल्मों में एमआई6 की प्रमुख एम का किरदार निभाया, स्टेला की इसी भूमिका से प्रेरित थीं। स्टेला के परिवार ने एक बयान में बताया कि रिमिंगटन ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को अपने परिवार और प्यारे कुत्तों के साथ शांतिपूर्वक अंतिम सांस ली। वे आखिरी वक्त तक उस जीवन से जुड़ी रहीं, जिसे वह बहुत पसंद करती थीं। एमआई5 के वर्तमान महानिदेशक केन मैक्कलम ने कहा कि स्टेला रिमिंगटन ने एक महिला के रूप में दुनिया की किसी भी खुफिया एजेंसी की कमान संभालकर पुरानी बंदिशों को तोड़ा और नेतृत्व में विविधता का एक बेहतरीन उदाकरण पेश किया।

स्टेला का जन्म 1935 में लंदन में हुआ था। उन्होंने एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी से अंग्रेजी की पढ़ाई की। बाद में एक अभिलेखपाल के रूप में काम किया। 1960 के दशक में, जब वह अपने राजनयिक पति के साथ भारत में रह रही थीं, तब उन्हें ब्रिटेन की घरेलू सुरक्षा सेवा एमआई5 ने अपने नई दिल्ली स्थित कार्यालय में अंशकालिक क्लर्क और टाइपिस्ट के रूप में नियुक्त किया था। 1969 में, जब वह लंदन लौटीं, तो वह म्झ्5 में पूर्णकालिक रूप से शामिल हो गईं और धीरे-धीरे ऊंचे पदों तक पहुंचीं। यह उस समय असामान्य था, क्योंकि खुफिया एजेंसियों में ऊंचे पद अधिकतर पुरुषों को दिए जाते थे। स्टेला ने एमआई5 की सभी प्रमुख शाखाओं में काम किया, जैसे प्रति-जासूसी, आतंकवाद-रोधी और प्रति-विध्वंस आदि। शीत युद्ध के समय एमआई5 ने सोवियत जासूसों पर निगरानी रखी, उत्तरी आयरलैंड के उग्रवादी समूहों में घुसपैठ की और वामपंथी नेताओं व यूनियन प्रमुखों की जासूसी की। 2001 में स्टेला ने माना कि उस दौर में एमआई5 शायद कुछ ज्यादा ही जोश में था।

रूस के लिए लड़ रहे चीन-पाकिस्तान से आए भाड़े के सैनिक: जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने सोमवार को एक बड़ा दावा किया। उन्होंने कहा कि उनके देश के उत्तर-पूर्वी हिस्से में यूक्रेनी सैनिकों को रूस की ओर से लड़ रहे विदेशी भाड़े के सैनिकों (मर्सिनरीज) का सामना करना पड़ रहा है। इन सैनिकों में चीन, पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और अफ्रीका के कुछ हिस्सों से आए लोग शामिल हैं। जेलेंस्की ने इस मामले में कड़ा जवाब देने की बात कही है।

जेलेंस्की ने यह बयान खार्किव क्षेत्र में एक फ्रंटलाइन क्षेत्र का दौरा करने के बाद दिया, जहां उन्होंने 57वीं सेपरेट मोटराइज्ड इन्फैंट्री ब्रिगेड के सैनिकों और कमांडरों से मुलाकात की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, हमने कमांडरों के साथ फ्रंटलाइन की स्थिति, ववचान्स्क की रक्षा और युद्ध के ताजा हालातों पर चर्चा की। इस क्षेत्र में हमारे सैनिकों ने बताया कि चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, पाकिस्तान और अफ्रीकी देशों से आए भाड़े के सैनिक युद्ध में भाग ले रहे हैं। हम इसका जवाब देंगे।

जेलेंस्की ने पहले भी रूस पर चीनी लड़ाकों को भर्ती करने का आरोप लगाया था, जिसे बीजिंग ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके अलावा, उत्तर कोरिया ने भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में हजारों सैनिक भेजे हैं। रॉयटर्स ने ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान के दूतावासों से इस मामले पर टिप्पणी के लिए संपर्क किया, लेकिन अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। रूस ने भी जेलेंस्की के इन दावों पर तत्काल कोई सार्वजनिक टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी सैन्य और खुफिया सूत्रों के अनुसार, विदेशी भाड़े के सैनिक रूस की प्राइवेट सैन्य कंपनियों जैसे वैगनर ग्रुप या रूसी रक्षा मंत्रालय से संबद्ध नई इकाइयों के तहत काम कर रहे हैं। ये समूह आर्थिक रूप से कमजोर या राजनीतिक रूप से अस्थिर क्षेत्रों, विशेष रूप से अफ्रीका और एशिया से लड़ाकों की भर्ती करने के लिए जाने जाते हैं। यूक्रेनी अधिकारियों का दावा है कि युद्ध के मैदान से प्राप्त साक्ष्य, जैसे कि जब्त किए गए दस्तावेज विभिन्न देशों से आए विदेशी लड़ाकों की मौजूदगी की पुष्टि करते हैं।

कोंडागांव में मोर तिरंगा मोर अभिमान अभियान के अंतर्गत 'हर घर तिरंगा' के लिए हुई भाजपा की जिला स्तरीय कार्यशाला

कोण्डागांव । भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय कोंडागांव में 'हर घर तिरंगा' अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला आगामी स्वतंत्रता दिवस (13 से 15 अगस्त) के मद्देनज़र, प्रत्येक घर पर तिरंगा फहराने के लिए कार्य योजना और जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई थी। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता तिरंगा यात्रा कार्यक्रम की प्रदेश टोली के सदस्य एवं पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष दीपेश अरोरा रहे। उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि मोर तिरंगा, मोर अभियान के तहत संचालित हर घर तिरंगा अभियान सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि यह राष्ट्र की एकता, अखंडता और स्वाभिमान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि तिरंगा सिर्फ एक ध्वज नहीं बल्कि शौर्य, सम्मान और समर्पण की भावना का परिचायक है। यह अभियान हमें अपने राष्ट्रीय कर्तव्यों की स्मृति दिलाता है और हर नागरिक को इससे जुड़कर राष्ट्रभक्ति को सशक्त बनाना चाहिए। दीपेश अरोरा ने यह भी कहा कि तिरंगा लहराना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक, संवैधानिक और नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अपने-अपने मंडलों और बूथों के माध्यम से गांव-गांव, घर-घर जाकर लोगों को जागरूक करें और इस अभियान को जन-आंदोलन का रूप दें।कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे देश की आज़ादी अनगिनत वीर सपूतों के त्याग और बलिदान का परिणाम है।

यह तिरंगा उसी संघर्ष और समर्पण की अमिट निशानी है। आज जब हम आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं, तो हमारा दायित्व है कि हम इस तिरंगे को हर घर तक पहुंचाएं और लोगों को इसके गौरव से परिचित कराएं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर प्रत्येक पंचायत और मोहल्ले में संपर्क स्थापित करें और नागरिकों को अभियान से भावनात्मक रूप से जोड़ें।

बने खाबो बने रहिबो जागरूकता अभियान के तहत 15 नमूने जांच के लिए भेजे गए

कोण्डागांव। राज्य शासन के निर्देशानुसार बने खाबो बने रहिबो नाम से चलाये जा रहे अभियान के तहत खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला कोण्डागांव द्वारा अभियान के तीसरे दिन कोण्डागांव के मिष्ठान भंडार, होटलों और स्ट्रीट फूड वेडर्स की जांच की गई। स्ट्रीट फूड वेंडर्स को जागरूक करने हेतु हेड कवर वितरित किया गया और होटल संचालकों को अपने खाद्य परिसर में न्यूज़ पेपर का उपयोग नहीं करने के संबंध में डिस्प्ले लगवाया गया। इसके साथ ही प्रेम स्वीट्स एण्ड रेस्टोरेंट, कोण्डागांव से बर्फी का नमूना लिया गया। इसी प्रकार पटेल होटल, शामपुर से जांच हेतु गुलाब जामुन और बालूशाही का नमूना, राधे बीकानेर स्वीट्स से मावा और नमकीन मिक्चर का नमूना तथा अन्ना मिक्सर से भी नमकीन मिक्चर का नमूना लेकर इन्हें जांच हेतु राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला, रायपुर भेजा गया है। खाद्य एवं औषधि प्रशासन, जिला-कोण्डागांव द्वारा, बने खाबो बने रहियो जागरूकता अभियान के तहत कुल पंद्रह नमूने लेकर जांच हेतु भेजे गए हैं तथा मिष्ठान भण्डार, होटलों और स्ट्रीट फूड वेंडर्स को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की जानकारी देकर, साफ सफाई, स्वच्छता, अखबारी कागज के उपयोग को हतोत्साहित कर, तेल को बार बार गर्म कर उपयोग करने को हतोत्साहित कर, खाद्य सामग्रियों के उचित रख रखाव, फूड हैंडलर्स की स्वच्छता का महत्व, वर्षा ऋतु में ध्यान देने वाली विशेष सावधानियों आदि के बारे में जानकारी देकर, हेड कव्हर वितरित कर जागरूक करने का प्रयास किया गया।

ग्राम कुडकानार में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण 2025 के अंतर्गत चला स्वच्छता अभियान

जगदलपुर। शासकीय काकतिय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जगदलपुर जिला बस्तर, छत्तीसगढ़ की स्वच्छता समिति द्वारा ग्राम कुडकानार में स्वच्छ सर्वेक्षण ग्रामीण - 2025 अभियान के अंतर्गत एकदिवसीय स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के स्वच्छता प्रभारी सहा. प्राध्यापक एफ.आर . साहू के निर्देशन में किया गया, जिसमें महाविद्यालय के पाँच सहायक प्राध्यापक एवं 25 छात्र-छात्राओं की टीम ने भाग लिया। इस अभियान की शुरुआत ग्राम हाई स्कूल कुडकानार से हुई, जिसमें विद्यालय के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं ने सक्रिय सहभागिता दी। विद्यार्थियों ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता, साफ-सफाई की आदतों और खुले में शौच से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी नुकसानों की जानकारी दी।

साथ ही फीडबैक फॉर्म भरवाकर ग्रामीणों की राय भी प्राप्त की गई। इसके अतिरिक्त, ग्राम की प्रमुख दीवारों पर स्वच्छता संबंधी पोस्टर चिपकाए गए, ताकि नागरिकों में निरंतर जागरूकता बनी रहे। विद्यालय परिसर की सफाई भी की गई जिससे स्वच्छता का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया जा सके। इस अवसर पर महाविद्यालय से सहा. प्राध्यापक दुर्गेश कुमार देवांगन,सहा. प्राध्यापक हिमेश साहू ,सहा. प्राध्यापक नेहा कश्यप, प्रीति किसपोट्टा एवं सहा. प्राध्यापक दिवाकांति निषाद उपस्थित रही। कार्यक्रम में हाई स्कूल कुडकानार के प्राचार्य दीपा मांझी एवं मिडिल स्कूल कुडकानार के प्रधानपाठक धीरेन्द्र यादव सहित दोनों संस्थाओं के शिक्षकगण की विशेष सहभागिता रही

एक वर्ष की बछिया के हार्निया की पशु चिकित्सकों ने की सफल शल्य चिकित्सा

कोंडागांव। जिला कोंडागांव विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम बेलगांव में एक वर्षीय बछिया में लेट्रल एब्डोमिनल हार्निया की जटिल स्थिति का सफल शल्य चिकित्सा उपचार किया गया। यह सर्जरी उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. एमबी सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सम्पन्न की गई। लेट्रल एब्डॉमिनल हर्निया एक ऐसी चिकित्सकीय स्थिति है, जिसमें पेट की दीवार की मांसपेशियाँ कमजोर या फट जाती हैं, जिससे आंत या अन्य अंग पेट की दीवार से बाहर निकल आते हैं। यदि समय पर उपचार न किया जाए, तो यह पशु के लिए जानलेवा भी हो सकता है। विशेष रूप से बढ़ते हुए बछड़ों और गाभिन बछिया में यह स्थिति चिंता का विषय बन जाती है। प्रभावित बछिया के दायें पार्श्व उदर में असामान्य सूजन देखी गई थी, जिसे चिकित्सकीय परीक्षण के पश्चात लेट्रल एब्डोमिनल हर्निया के रूप में चिन्हित किया गया। पशु की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल शल्यचिकित्सा की योजना बनाई गई। इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. ढालेश्वरी द्वारा किया गया, ऑपरेशन में डॉ. दीपिका सिदार का भी सहयोग रहा। तकनीकी सहायता सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी डी. पी. साहू एवं सहायक पशु चिकित्सा क्षेत्र अधिकारी, डटन् खेमराज द्वारा प्रदान की गई। सर्जरी पूर्णतः सफल रही तथा पशु को निगरानी में रखा गया है और उसे ऑपरेशन पश्चात आवश्यक चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है।

विधायक विक्रम मंडावी का भाजपा सरकार से सवाल- कोयला हमारा, पानी हमारा, जमीन हमारी, फिर भी हमें महंगे दाम पर बिजली क्यों?

बिजली बिल हॉफ योजना बंद करने के विरोध में कांग्रेस ने भाजपा और मुख्यमंत्री साय का फूंका पुतला

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में भाजपा की विष्णुदेव साय सरकार द्वारा बिजली बिल हाफ योजना को बंद करने के फैसले पर कांग्रेस पार्टी ने तीखा विरोध जताते हुए भाजपा और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला फूँका है। कांग्रेस ने भाजपा सरकार के इस फैसले को जनता पर अत्याचार करार देते हुए कहा कि इस निर्णय से प्रदेश के लाखों उपभोक्ता प्रभावित होंगे। कांग्रेस ने कहा कि जब उनकी सरकार ने 5 साल तक विपरीत परिस्थितियों में भी 44 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ योजना के तहत राहत दी थी, जिससे प्रत्येक उपभोक्ता को 40 से 50 हजार रुपये की बचत हुई। इस योजना के तहत 400 यूनिट तक की खपत पर बिल आधा किया जाता था, लेकिन साय सरकार ने इसे सीमित कर केवल 100 यूनिट तक की खपत पर लागू किया है। इससे अधिक खपत पर पूरा बिल देना होगा, और 100 यूनिट की छूट भी खत्म कर दी गई है। वहीं बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने भाजपा की डबल इंजन सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने डेढ़ साल में बिजली दरों में चार बार वृद्धि की है, जिसमें घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 80 पैसे प्रति यूनिट, गैर-घरेलू के लिए 25 पैसे और कृषि पंपों के लिए 50 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी शामिल है। इसके अलावा, बिजली कटौती और लो-वोल्टेज की समस्या से शहर और गांव के लोग परेशान हैं, जबकि कांग्रेस सरकार में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाती थी। विधायक विक्रम मंडावी ने केंद्र की मोदी सरकार की नीतियों को लेकर कहा कि कोयले पर चार गुना ग्रीन टैक्स, स्लरी की अधिक वसूली, और अडानी की कंपनी से महंगे कोयले की खरीद को बिजली उत्पादन लागत बढ़ने का कारण बताया। स्मार्ट मीटर के नाम पर अनाप-शनाप बिल और अडानी की कंपनी द्वारा मौखिक मीटर लगाने की तैयारी को भी जनता की लूट का हिस्सा करार दिया और भाजपा सरकार के इस फैसले से जनता में भारी नाराज़गी और आक्रोश होने की बात भी कही है। विधायक विक्रम मंडावी ने सरकार से सवाल पूछा कि कोयला हमारा, पानी हमारा, जमीन हमारी, फिर भी हमें महंगे दाम पर बिजली क्यों? इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस पार्टी जनता के साथ भाजपा सरकार के इस फैसले के खिलाफ आंदोलन करेगी।

भाजपा पार्षद हर्षवीर के खिलाफ मारपीट का आरोप लगाते बुजुर्ग नानी पहुंची थाने, एफआईआर दर्ज

कोण्डागांव। भाजपा नेता पर अपनी ही सगी उम्र दराज नानी पर मारपीट करते प्राण घातक हमला करने का मामला सामने आया है जहा बुजुर्ग पीड़िता अपने पुत्र के साथ अपने ही नाती के खिलाफ शिकायत लेकर कोतवाली थाने पहुंची थी, बुजुर्ग पीड़िता ने आरोप लगाया है कि उसके नाती ने संपत्ति को लेकर विवाद कर मारपीट किया और जान से मारने की धमकी दी हैं। वहीं मामले पर सिटीकोतवाली थाना कोण्डागांव मे बाजार पारा वार्ड कोंडागांव से भाजपा नेता व पार्षद हर्ष वीर ढिल्लन के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज किया गया हैं। मामले के प्रत्यक्षदर्शियों अनुसार घटना के दौरान स्थिति भयावह थी शायद बिच बचाव नहीं किया गया होता तो बड़ी घटना घट सकती थी। वहीं मामला कद्दावर नेता तरशेम सिंह गिल की पत्नी को उसके ही नाती बीजेपी पार्षद हर्ष वीर ढिल्लन के द्वारा बेरहमी से मारपीट करने की घटना से नगरवासी स्तब्ध है व मामला जन

संकुल केंद्र चोलनार अंतर्गत सभी स्कूलों में पालक शिक्षक बैठक का किया गया आयोजन

किरंदुल। शासन के मंशानुरूप एवं जिला प्रशासन के निर्देशानुसार संकुल केन्द्र चोलनार अंतर्गत सभी शिक्षण संस्थाओं में पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किया गया।इस दौरान बच्चों की प्रगति परीक्षा परिणाम एवं जाति,आय,निवास प्रमाण पत्र बनवाना, बच्चों को पूर्ण गणवेश के साथ प्रतिदिन शाला भेजने एवं अन्य गतिविधियों के बारे में विस्तार से चर्चा किया गया।साथ ही इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम के तहत पेड़ लगाए गए तथा फोटो अपलोड एवं सर्टिफिकेट प्राप्त किया गया।कार्यक्रम में संकुल समन्वयक रामगुलाल साहू,बलराम सिंह ठाकुर,कमला साहू,शारदा भोयर,दीपक कुमार डे,मोनिका नेताम,उर्मिला नाग,मीना कोमरे,राकेश कुमार कौशिक एवम अन्य शिक्षक उपस्थित रहें।

रिमझिम फुहारों के बीच महिलाओं ने लिया सावन झूला उत्सव का आनंद, गाए गीत

किरंदुल। छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा मंडल के तत्वाधान में परंपरागत उल्लास और हर्षोल्लास के साथ सावन झूला उत्सव का भव्य आयोजन किया गया।यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक-संस्कृति,परंपरा और महिला सहभागिता को समर्पित रहा।कार्यक्रम की शुरुआत देवी-देवताओं के पूजन एवं पारंपरिक गीतों के साथ हुई।सभी समाज कि महिलाओं और बच्चो ने सावन की रिमझिम फुहारों के बीच झूला झूलते हुए लोकगीतों पर झूमकर समां बाँध दिया। कार्यक्रम में सैकड़ो बच्चों,युवाओं और वरिष्ठ नागरिकों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने आयोजन को जीवंतता प्रदान की।ऐसे आयोजन न केवल हमारी सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखते हैं, बल्कि समाज में समरसता और मेल-जोल की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। सभी समाज के महिला अध्यक्षो ने कहा कि भविष्य में भी इस प्रकार के सांस्कृतिक आयोजनों को निरंतर आयोजित किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियाँ अपनी जड़ों से जुड़ी रहें।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में मंडल के सभी सदस्यों, सभी समाज के महिला सदस्यों और बच्चो का सराहनीय सहयोग रहा। अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

कलेक्टर ममगाई ने किया राजस्व एवं वनभूमि के संयुक्त सर्वेक्षण का निरीक्षण

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा वन भूमियों का समेकित अभिलेख तैयार करने हेतु राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया है। राज्य स्तरीय विशेषज्ञ समिति द्वारा राजस्व वन भूमि वन भूमि, वन के परिभाषा के अनुरूप वन भूमि का सर्वेक्षण कर समेकित अभिलेख तैयार किया जाएगा, जिसके तहत् कलेक्टर एवं वनमण्डलाधिकारी के अधीक्षण में जिले के अधीनस्थ राजस्व अधिकारियों एवं वन विभाग के अधिकारी कर्मचारियों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किया जायेगा। वन विभाग के अभिलेखों में उल्लेखित रिकार्डेड फारेस्ट एरिया जो वन (आरक्षित, संरक्षित, अवर्गीकृत, नारंगी वन क्षेत्र) के रूप में दर्ज है के क्षेत्रफल को किसी भी स्थिति में कम नहीं किया जाएगा। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई एवं डीएफओ ससिगानंदन कें द्वारा जिले के ग्राम देवगांव में राजस्व एवं वनभूमि सर्वेक्षण का निरीक्षण किया गया। उन्होंने राजस्व एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त सर्वे का अवलोकन करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने पोर्टाकेबिन हाईस्कूल के सामने संरक्षित, नारंगी एवं आरक्षित वनभूमि कक्ष क्रमांक 2346 (ए) और 2338 (बी) का निरीक्षण करते हुए वनभूमि का जायजा लिया तथा राजस्व नक्शा का सर्वे स्थल पर परीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान एसडीएम अभयजीत मण्डावी, संयुक्त वनमण्डलाधिकारी आरएस मण्डावी, वन परिक्षेत्र अधिकारी संतुराम नाग, तहसीलदार सौरभ कश्यप सहित वन एवं राजस्व विभाग के मैदानी कर्मचारी उपस्थित थे।

एनएमडीसी इंटर प्रोजेक्ट टेबल टेनिस टूर्नामेंट - द्रोणामल्ली विजेता बचेली परियोजना बनी उपविजेता

किरंदुल। एनएमडीसी लिमिटेड बैलाडीला आयरन ओर माइन्स किरन्दुल कॉम्प्लेक्स के सौजन्य से क्रीड़ा सलाहकार समिति के तत्वाधान में एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के रिक्रिएशन क्लब में अंतर परियोजना टेबल टेनिस प्रतियोगिता 2025 के आयोजन का समापन हुआ । अंतर परियोजना टेबल टेनिस प्रतियोगिता में एनएमडीसी की द्रोणामल्ली परियोजना ने जीत का खिताब अपने नाम किया तो वहीं एनएमडीसी की बचेली परियोजना बनी उपविजेता । इस अंतर परियोजना प्रतियोगिता में एनएमडीसी की परियोजना किरन्दुल,बचेली,डोनीमलाई ,पन्ना एवं हैदराबाद ,नगरनार की टीमों ने हिस्सा लिया । इस दौरान एनएमडीसी किरंदुल परियोजना के अधिशासी निदेशक रविंद्र नारायण ,मुख्य महाप्रबंधक उत्पादन के पी सिंह ,डॉ एम वी लाल,डॉ अभिषेक, सहायक महाप्रबंधक कार्मिक अजय बागे, उप महाप्रबंधक कार्मिक तनवीर जावेद,महाप्रबंधक खनन संजय कोचर ,सिविल प्रमुख एस के पांडेय ,श्रमिक संघ इंटक के सचिव ए के सिंह ,कार्यकारी अध्यक्ष चिन्नास्वामी ,श्रमिक संघ एस के एम एस के प्रतिनिधि हरीश राय ,अजय सिंह ,क्रीड़ा सलाहकार समिति के मोहम्मद यासीन ,शेख नफीस ,अमित दीक्षित ,बृजेश यादव ,अभिषेक स्वर्ण ,एनकेटेश्वर राव ,महेश उपस्थित रहे ।

ग्राम पंचायत हिरोली में विश्व स्तनपान सप्ताह का किया गया आयोजन

किरंदुल। किरंदुल परियोजना के गुमियापाल सेक्टर अंतर्गत ग्राम पंचायत हिरोली में गुरुवार विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बताया गया कि बच्चे को जन्म से 6 माह तक सिर्फ और सिर्फ माता स्तनपान कराए अन्य कोई भी तरल चीज न दें एवं अन्य सावधानियों के विषय में पूर्ण जानकारी प्रदान की गई।

कड़मपाल संकुल केंद्र की सभी शालाओं में प्रथम पालक बैठक का किया गया आयोजन

किरंदुल। जिला प्रशासन के आदेशानुसार प्रत्येक विकासखण्ड के समस्त शासकीय संस्थाओं में दिनांक 6 अगस्त को प्रथम पालक शिक्षक बैठक का आयोजन किये जाने का निर्देश प्राप्त हुआ था। इसलिए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी प्रमोद सिंह भदौरिया एवं सहायक खण्ड शिक्षा अधिकारी मनोज राठौर के मार्गदर्शन में विकासखण्ड कुआकोंडा के संकुल केन्द्र कड़मपाल के समस्त शालाओं में बुधवार दोपहर प्रथम पालक शिक्षक बैठक का कार्यक्रम रखा गया।जिसमें पालक,शिक्षक,पंच, जनप्रतिनिधि शामिल हुए। सर्वप्रथम माता सरस्वती पूजा अर्चना करने के उपरान्त संरपच राजू कडती द्वारा कहा गया कि एक शिक्षा ही समाज को प्रगति की दिशा में अग्रसर करने का आधार हैं।इसलिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना शिक्षकों की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। अतः शिक्षकों की शालाओं में नियमित उपस्थिति तथा बच्चों का भी प्रतिदिन नियमित शाला आने की हर सम्भव प्रयास किया जाना चाहिए। संरपच ने पालकों को अपने क्षेत्रीय भाषा गोंडी में समझाकर बड़े अच्छे से प्रभावित किया।इसी बीच संकुल समन्वयक एम माधव राव ने प्रथम पालक शिक्षक बैठक के उद्देश्य को विस्तारपूर्वक बताते हुए सुझावतमक गतिविधियों को सभी पालकगण के समक्ष रखा कि सभी स्कूलों में बच्चों के व्यावसायिक कौशल को हांसिल करने का मौका दिया जाना चाहिए। एवं पालक शिक्षक समन्वय के द्वारा शैक्षणिक गुणवत्ता के प्रति एक साकारात्मक माहौल बनाना,बच्चों की समस्त गतिविधियों से पालक शिक्षक दोनों को अवगत कराना, सभी संस्था में शाला त्यागी रोकने हेतु पालकों की भूमिका सुनिश्चित करना, बच्चों की विभिन्न उपलब्धियों को पालकों के समक्ष रखना और बेसलाइन परीक्षा परिणाम,राष्ट्रीय शिक्षा नीति की विस्तृत जानकारी पालकों के समक्ष रखा गया। चर्चा -परि चर्चा के उपरान्त संकुल समन्वयक के द्वारा शिक्षकों को बताया कि संयुक्त संचालक शिक्षा विभाग के लगातार दिशा निर्देश एवं बीईओ,ए बीईओ खण्ड स्त्रोत समन्वयक आदि के द्वारा नियमित रूप से शालाओं का निरीक्षण और समय-समय पर सभी को मार्गदर्शन से हमअपने कर्तव्यों का शत-प्रतिशत पालन कर अगामी दिनों में शिक्षा के क्षेत्र में एक सार्थक और अनूठे पहल सिद्ध होने की अभिलाषा परिलक्षित होते दिखाई देना है।यही आशा के साथ अन्त में कन्या आश्रम शाला कड़मपाल में न्योता भोज का आयोजन कर कार्यक्रम को समाप्त किया गया।

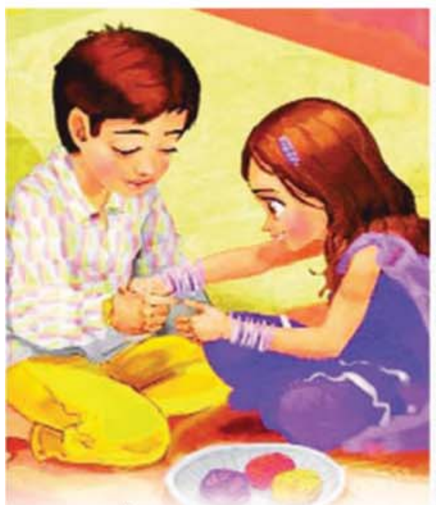

रक्षाबंधन पर लगभग दो घंटे तक रहेगा राहुकाल, क्या होगा राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

रक्षाबंधन हिंदू धर्म का प्रमुख पर्व है, जिसे सावन महीने की पूर्णिमा तिथि पर मनाया जाता है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर उनकी लंबी उम्र और सुखी जीवन की कामना करते हुए राखी बांधती हैं। इसके बदले भाई अपनी बहन को जीवनभर सुरक्षा का वचन देता है। यही नहीं कुछ पैसे या उपहार भी उसे भेंट के रूप में देता है। रक्षाबंधन पर न केवल राखी का महत्व है बल्कि परिवार और रिश्तों में मिठास लाने के लिए दान-दक्षिणा, पूजा-पाठ जैसे पुण्य कार्य भी किए जाते हैं। भारत में हर साल राखी के त्योहार को भव्य आयोजन के साथ मनाया जाता है। यह लोगों में सामाजिक एकता और सद्भाव की भावना को बढ़ावा देता है। इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन है। इस दिन कई शुभ संयोग बने हुए हैं, जो पर्व की महत्ता को कई गुना बढ़ा रहे हैं। खास बात यह है कि इस वर्ष राखी पर भद्रा का साया भी नहीं हैं। परंतु राहुकाल होने के कारण राखी बांधने का सही समय क्या है, यह सवाल बना हुआ है।

कब समाप्त होगी भद्रा

पंचांग के मुताबिक सावन की पूर्णिमा पर भद्रा सूर्योदय से पहले समाप्त होगी। यह 8 अगस्त को दोपहर 02 बजकर 12 मिनट से शुरू होकर अगले दिन सुबह 1 बजकर 52 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि इस दिन सूर्योदय सुबह 5 बजकर 47 मिनट पर होगा। इसलिए रक्षाबंधन के पवित्र त्योहार पर भद्रा का साया मान्य नहीं होगा।

राहुकाल का समय

ज्योतिषियों के मुताबिक रक्षाबंधन पर राहुकाल सुबह 9 बजकर 07 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहने वाला है। ऐसे में आप इस अवधि में भाई को राखी बांधने से बचें। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार राहुकाल में कोई भी नया और शुभ काम नहीं करना चाहिए। यह उचित नहीं होता है।

राखी बांधने का शुभ मुहूर्त

ज्योतिषियों की मानें तो रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त सुबह 5 बजकर 47 मिनट से शुरू होगा। यह मुहूर्त इस दिन दोपहर के 1 बजकर 24 मिनट तक बना रहेगा। परंतु बीच की अवधि में सुबह 9.07-10.47 मिनट तक राहुकाल है, इसलिए आप इस समय को छोड़कर अपने भाई को राखी बांध सकती हैं।

रक्षाबंधन पर शुभ योग

इस बार राखी पर सर्वार्थ सिद्धि योग बना हुआ है, जो सुबह 5 बजकर 47 मिनट से दोपहर 2 बजकर 23 मिनट तक रहेगा। इसके अलावा सौभाग्य योग का संयोग होने से पर्व की महत्ता अधिक बढ़ गई है। यह प्रातःकाल से लेकर 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक है। वहीं शोभन योग 10 अगस्त को तड़के 2 बजकर 15 मिनट तक रहेगा। ब्रह्म मुहूर्त सुबह 4 बजकर 22 मिनट से 5 बजकर 04 मिनट तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 17 मिनट से 12 बजकर 53 मिनट तक है।अमृतकाल पूरे दिन रहने वाला है।

रक्षाबंधन पर चौघड़िया मुहूर्त

लाभ काल- प्रातः 10.15 से दोपहर 12.00 बजे
अमृत काल-दोपहर 1.30 से 3.00 बजे
चर काल- सायं 4.30 से 6.00 बजे

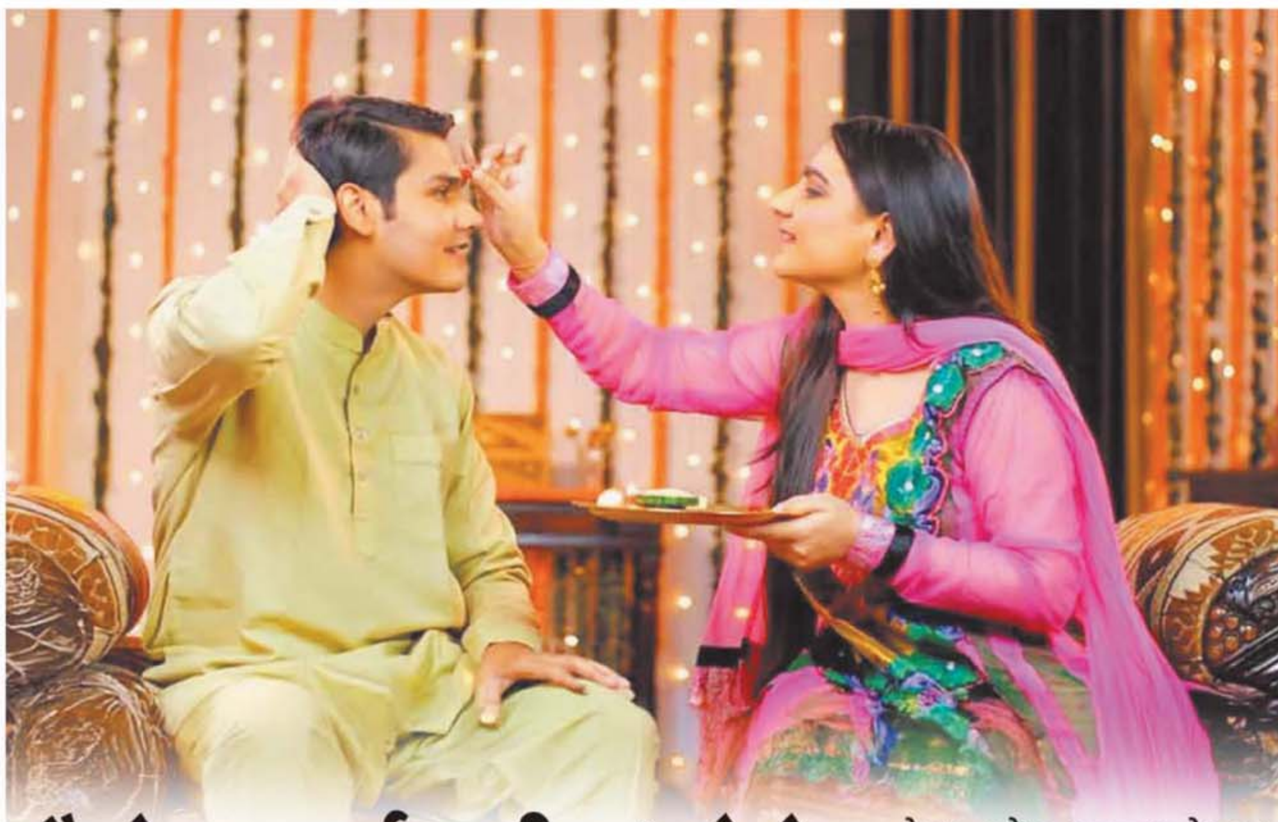

कैसे शुरू हुई राखी बांधने के परंपरा और क्या है नियम

देशभर में 9 अगस्त को रक्षा बंधन का पर्व मनाया जाएगा और इस दिन बहनें भाइयों के हाथ पर राखी बांधती हैं और ऊज्जवल भविष्य की कामना करती हैं। वहीं भाई बहनों को रक्षा करने का वचन और गिफ्ट देते हैं।

09 अगस्त को रक्षाबंधन का पवित्र त्योहार है। यह पर्व हर वर्ष श्रावण माह के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि को मनाया जाता है। रक्षाबंधन के त्योहार को भाई-बहन के प्रेम, स्नेह और सदभाव के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहन अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई की आरती उतारते हुए जीवन में सुख-समृद्धि और लंबी आयु की मंगल कामना करती हैं, जिसके बदले में भाई अपनी बहन को भेंट देता है और आजीवन उसकी रक्षा का वचन भी देता है। शास्त्रों में रक्षाबंधन पर अच्छे मुहूर्त और भद्रारहित काल में भाई की कलाई में रक्षासूत्र बांधना शुभ होता है। रक्षाबंधन का पावन पर्व इस बार पूर्ण शुभता और विशेष संयोगों के साथ 9 अगस्त शनिवार को मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन का दिन भद्रा से मुक्त रहेगा।

राखी बांधने की विधि

भाई की सुख-समृद्धि और जीवन की मंगलकामना के लिए हर वर्ष बहनें श्रावण माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षा बंधन का त्योहार मनाती है। रक्षाबंधन के दिन बहनें सुबह से ही तैयारी में लग जाती हैं। रक्षाबंधन के दिन रंगोली से घर को सजाएं। पूजा के लिए एक थाली में स्वास्तिक बनाकर उसमें चंदन, रोली, अक्षत, राखी, मिठाई, और फूल के साथ एक घी का दीया रखें। दीपक प्रज्वलित कर सबसे पहले अपने ईष्टदेव को तिलक लगाकर राखी बांधें और आरती उतारकर मिठाई का भोग लगाएं। फिर भाई को पूर्व या उत्तर दिशा की ओर मुख करके बैठाएं। इसके बाद उनके सिर पर रुमाल या कोई वस्त्र रखें। अब भाई के माथे पर रोली-चंदन और अक्षत का तिलक लगाकर उसके हाथ में नारियल दें। इसके बाद येन बद्धो बलि राजा, दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वाम् प्रतिबद्धनामि रक्षे माचल माचल- इस मंत्र को बोलते हुए भाई की दाहिनी कलाई पर राखी बांधें। भाई की आरती उतारकर मिठाई खिलाएं और उनके उत्तम स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य के लिए भगवान से प्रार्थना करें।

ऐसे शुरू हुई राखी बांधने की परंपरा

पौराणिक कथा के अनुसार जब भगवान विष्णु ने वामन अवतार के रूप में राक्षस राज बलि से तीन पग में उनका सारा राज्य मांग लिया था और उन्हें पाताल लोक में निवास करने को कहा था। तब राजा बलि ने भगवान विष्णु को अपने मेहमान के रूप में पाताल लोक चलने को कहा। जिसे विष्णुजी मना नहीं कर सके। लेकिन जब लंबे समय तक श्री हरि अपने धाम नहीं लौटे तो लक्ष्मीजी को चिंता होने लगी। तब नारद मुनि ने उन्हें राजा बलि को अपना भाई बनाने की सलाह दी ।अपने पति को वापस लाने के लिए माता लक्ष्मी गरीब स्त्री का रूप धारण कर राजा बलि के पास पहुंच गई और उन्हें अपना भाई बनाकर राखी बांध दी। इसके बदले उन्होंने भगवान विष्णु को पाताल लोक से ले जाने का वचन मांग लिया। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा थी और माना जाता है कि तभी से रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाने लगा है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में मुंह करके बैठें और यह मंत्र बोलें

श्रावण माह की पूर्णिमा को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि राखी बांधते वक्त किस दिशा में मुंह करके बैठना चाहिए और कौनसा मंत्र बोलना जरूरी है।

राखी बांधते वक्त इस दिशा में रखें मुख

- यदि बहन अपने भाई को राखी बांध रही है तो बहन को पश्चिम में मुख करके भाई के ललाट पर रोली, चंदन व अक्षत का तिलक लगाते हुए उपरोक्ति मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
- भाई को पूर्वाभिमुख, पूर्व दिशा की ओर बिठाएं। बहन का मुंह पश्चिम दिशा की ओर होना चाहिए।
- उन्हें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उनका मुख कभी भी दक्षिण दिशा की ओर न हो।
- **सिर ढकना** - अनुष्ठान करते समय भाई को अपना सिर रूमाल से ढकने की सलाह दी जाती है।

कौन सा मंत्र बोलते हुए बांधें राखी

येन बद्धो बली राजा
दानवेन्द्रो महाबल:।
तेन त्वां अभिबन्धामि रक्षे
मा चल मा चल।।

अर्थ- इस मन्त्र का अर्थ है कि जो रक्षा धागा परम कृपालु राजा बलि को बाँधा गया था, वही पवित्र धागा मैं तुम्हारी कलाई पर बाँधता हूँ, जो तुम्हें सदा के लिए विपत्तियों से बचाएगा। शास्त्रों के अनुसार रक्षा सूत्र बांधे जाते समय उपरोक्त मंत्र का जाप करने से अधिक फल मिलता है। इसके बाद भाई के माथे पर टीका लगाकर दाहिने हाथ पर रक्षा सूत्र बांधे। रक्षा सूत्र बांधते समय उपरोक्त मंत्र का उच्चारण करें।

यदि आप शिष्य या शिष्या अपने किसी गुरु को बांध रहे हैं रक्षा सूत्र तो उपरोक्त मंत्र है। ध्यान से देखने पर दोनों मंत्रों में अंतर नजर आएगा।

राखी खोलने के नियम

कभी भी तुरंत या फिर रक्षाबंधन के कुछ दिन बाद ही राखी नहीं खोलनी चाहिए। राखी को कम-से-कम जन्माष्टमी तक बांधकर रखना चाहिए। राखी को उतारकर कभी भी इधर-उधर नहीं फेंकना चाहिए। आप इसे किसी बहते जल स्रोत में विसर्जित कर सकते हैं या फिर किसी पेड़-पौधे में रख सकते हैं।

भाई-बहन के रिश्ते की पवित्रता को दर्शाता है रक्षाबंधन

सावन माह की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाता है। ऐसे में रक्षाबंधन 9 अगस्त को मनाया जाएगा। भाई-बहन के प्रेम वाले इस त्योहार में कई तरह के नियमों का ध्यान रखा जाना भी जरूरी है। इससे व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं राखी से जुड़े कुछ नियम।

रक्षाबंधन हिंदू धर्म के प्रमुख त्योहारों में से एक माना जाता है। इस विशेष दिन पर बहनें मंगल कामना के साथ अपनी भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं। राखी बांधने के साथ-साथ राखी को उतारने के भी कई नियम हैं, जिनका ध्यान रखने पर व्यक्ति को जीवन में अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि राखी कब और कैसे उतारनी चाहिए। रक्षा बंधन पर राखी बांधने का सबसे सही समय अपराह्न के दौरान माना जाता है।

क्यों खास है यह पर्व

पौराणिक कथा के अनुसार, एक बार राजा बली ने भगवान विष्णु से यह वचन लिया कि वह उनके साथ पाताल लोक में रहें। लेकिन इसके कारण माता लक्ष्मी परेशान हो गईं। उन्होंने एक गरीब महिला का रूप धारण किया और राजा बलि के पास पहुंचकर उन्हें राखी बांधी। राखी के बदले राजा ने कुछ भी मांग लेने को कहा। इसपर माता लक्ष्मी अपने असली रूप में प्रकट हुईं और उन्होंने भगवान विष्णु को पुनः अपने धाम लौटाने का वचन मांगा। राखी का मान रखते हुए राजा ने भगवान विष्णु को मां लक्ष्मी के साथ वापस उनके धाम भेज दिया।

रक्षाबंधन के दिन राखी बांधते समय कितनी गांठ लगानी चाहिए?

रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का प्रतीक है जिसमें बहन अपने भाई की कलाई पर रक्षासूत्र बांधकर उसकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि की कामना करती है और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। इस पर्व से जुड़ी हर छोटी से छोटी बात का अपना धार्मिक एवं ज्योतिष महत्व है। इसी कड़ी में हम ज्योतिषाचार्य से जानेंगे कि जब बहन भाई को रक्षा बंधन के दिन राखी बांधती है तो कितनी गांठें धागे में लगानी चाहिए। आइये जानते हैं इस बारे में विस्तार से और साथ ही, जानेंगे इसके पीछे का तर्क।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षाबंधन पर राखी बांधते समय तीन गांठें लगाना अत्यंत शुभ माना जाता है। इन तीन गांठों का संबंध त्रिदेव यानी कि ब्रह्मा, भगवान विष्णु और भगवान शिव से है। इन गांठों का अपना विशेष अर्थ और महत्व है जो भाई-बहन के रिश्ते को और भी मजबूत बनाता है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **पहली गांठ** भाई की सुरक्षा और लंबी आयु के लिए बांधी जाती है। बहन भगवान से अपने भाई को सभी संकटों से बचाने, उसे स्वस्थ रखने, भाई को दीर्घायु बनाने और भाई की समृद्धि एवं खुशहाली बनाए रखने का प्रतीक है।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **दूसरी गांठ** स्वयं बहन की लंबी उम्र और भाई-बहन के रिश्ते में प्यार, मिठास और आपसी समझ बढ़ाने के लिए लगाई जाती है। यह गांठ यह भी दर्शाती है कि भाई-बहन का रिश्ता हमेशा मजबूत रहे और उनमें सद्भाव हो। वे हमेशा एक दूसरे का साथ दें।

रक्षा बंधन पर बांधी जाने वाली राखी की **तीसरी गांठ** भाई और बहन दोनों की अपने-अपने धर्म और कर्तव्यों के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। यह गांठ इस बात पर जोर देती है कि भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन निभाए और बहन भी अपने भाई के प्रति अपने स्नेह और कर्तव्य का पालन करें।

रक्षा बंधन के दिन एक बात का ओर ध्यान रखें कि बहन जब भाई को राखी बांधे तो राखी को पहले गंगाजल से शुद्ध कर ले और फिर ही राखी बांधें, नहीं तो इससे दोष उत्पन्न होता है और भाई पर संकट आ सकता है। इसके अलावा, ग्रहों का दुष्प्रभाव भी पड़ सकता है और अशुभ परिणाम मिल सकते हैं।

स्नैप चैट से दोस्ती, महंगे गिफ्ट और फॉरेन करंसी का झांसा, विदेशी आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

- पुलिस को सफलता मिली, आरोपी दक्षिण अफ्रीका और नाइजीरिया के रहने वाले
- साइबर सेल और चिचोला पुलिस ने की कार्रवाई, कई सामान बरामद

राजनांदगांव।। साइबर क्राइम के मामले में पुलिस ने तीन विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उनमें दो नाइजीरिया और एक दक्षिण अफ्रीका का रहने वाला है। आरोपियों ने युवती से स्नेप चैट के माध्यम से दोस्ती की, कई दिनों तक बात करने के बाद महंगे गिफ्ट और विदेशी मुद्रा भेजने का झांसा देकर उससे सवा लाख रुपए ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच की और तीनों ही आरोपियों को न्यू दिल्ली से अरेस्ट किया गया है। बताया गया कि मामले की जांच में आरोपियों की संख्या और ठगी की रकम दोनों बढ़ सकती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहले भी इसी तरह के मामले में नाइलीरियन फ्रॉड को गिरफ्तार किया गया था। यह भी उसी तरह का मामला है, जब शिकायत के बाद इसमें जांच शुरू की गई। तब सामने आया कि युवती को गिफ्ट और रकम देने की बात कही। बाकायदा यह कहा गया कि उसे पार्सल भेजा जा रहा है। इसके बाद आरोपियों ने युवती से कहा कि पार्सल कस्टम डिपार्टमेंट के पास है, उसे छुड़ाना पड़ेगा। इसके एवज में रकम की ठगी की गई। इस मामले में पुलिस ने स्टीफन उर्फ लक्की डेडन, अमिनबो आइवरी कोस्ट दक्षिण अफ्रीक वर्तमान में जनकपुरी नई दिल्ली, किंग्सले पिता जोसेफ अनंबरा नाइजीरिया वर्तमान जनकपुरी नई दिल्ली और जार्ज चुक्चुमेका असाबा नाइजीरिया वर्तमान उत्तम नगर पश्चिम दिल्ली का निवासी है। तीनों को दिल्ली से ही पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने आरोपियों से ये सामान किए बरामद

तीनों आरोपियों के अरेस्ट किया गया। उनके पास से 25 मोबाइल, 14 एंड्रायड मोबाइल, 5 एटीएम कार्ड, 32 सिम जिनमें विदेशी सिम भी शामिल, लैपटॉप और राउटर जब्त किया है। बताया गया कि साइबर ठगी करने के आरोपी एक ही प्रोफाइल का उपयोग करते थे।

इस तरीके से ठगी को दे रहे अंजाम

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पहले भी इस तरह की साइबर ठगी के मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें बड़ी रकम की ठगी की गई है। आमतौर पर विदेशी नागरिक स्नेप चैट या दूसरे सोशल मीडिया साइट पर अपनी प्रोफाइल बनाकर भारतीय महिलाओं से संपर्क करते हैं। इसमें ज्यादातर वैवाहिक साइट का भी सहारा लेते हैं। इसके बाद दोस्ती कर उनके काफी दिनों में बातचीत के माध्यम से जुड़े रहते हैं। फिर महंगे गिफ्ट या फिर फॉरेन करंसी भेजने की बात करते हैं। इसके बाद कस्टम में सामान पकड़ाने का बहाना बनाकर ठगी की कार्रवाई को अंजाम देते हैं।

रामलला दर्शन योजना के तहत दुर्ग से 149 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महत्वपूर्ण योजना 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत दुर्ग जिले से रामभक्तों का एक बड़ा जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दुर्ग रेलवे स्टेशन से 149 श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से रवाना किया गया, जिनमें 120 श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र से तथा 29 शहरी क्षेत्र से शामिल हैं। इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, सीईओ जिला पंचायत बजरंग दुबे ने श्रद्धालुओं से भरी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। श्रद्धालुओं को स्टेशन पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान भोजन, आवास एवं अन्य सुविधाओं की संपूर्ण व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। तीर्थयात्री 9 अगस्त की रात को अयोध्या दर्शन कर लौटेंगे। रवाना होते समय श्रद्धालुओं को जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' की प्रतियां भी भेंट की गई। श्रद्धालुओं ने इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर वर्ग को इस योजना का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ए.पी.गौतम, सुरेन्द्र कौशिक एवं रेलवे विभाग के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

शैक्षणिक युक्तियुक्तकरण के तहत खुशबू जैसे नन्हे बच्चों को अब खेल, कविता और कहानियों के माध्यम से सीखने का मिल रहा अवसर

दुर्ग। धमधा विकासखंड के ग्राम तुमाखुर्द में एक सरकारी प्राथमिक शाला है। जहां पहली से पांचवी तक के बच्चे पढ़ाई करते हैं। जहां 19 बच्चे अध्ययनरत हैं। लेकिन शिक्षक के अभाव में बच्चों को शिक्षा नही मिल पाती थी। पहली से पांचवी तक के बच्चों को केवल एक ही शिक्षक पढ़ाते थे। रोज सभी कक्षाओं में बच्चों को पढ़ाई नही हो पाती थी। रोज पढ़ाई नही होने के कारण बच्चे स्कूल नही जाते थे। शिक्षा व्यवस्था में सुधार होने के बाद शिक्षा में गुणवत्ता आई है। बच्चों की दर्ज संख्या के आधार पर युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया की गई है। पर्याप्त शिक्षक उपलब्ध होने से बच्चों का भी मन लगने लगा है। यह शिक्षा नीति में बदलाव आने के कारण संभव हो पाया है। जहां पहले बच्चों की दर्ज संख्या कम होती थी वहां अब शत-प्रतिशत् उपस्थिति रहती है। बच्चों की किलकारिया वहां सुनाई नहीं देती थीं, क्योंकि एक ही शिक्षक उपस्थित रहते थे। अभिभावकों की चिंता बढ़ती जा रही थी, खासकर खुशबू के माता-पिता की, जिनकी बेटी पढ़ना चाहती थी लेकिन हालात उनका साथ नहीं दे रहे थे। ऐसे में वे असहाय थे और खुद को किस्मत के भरोसे छोड़ चुके थे। शिक्षा विभाग द्वारा किए गए युक्तियुक्तकरण के तहत स्कूल में आखिरकार एक योग्य शिक्षक की नियुक्ति हुई। स्कूल में बच्चों की चहल-पहल शुरू हो गई। खुशबू भी अब हर सुबह मुस्कान के साथ स्कूल जाती है। वह कहती है अब स्कूल आना बहुत अच्छा लगता है। हमे नए-नए खेल सिखाए जाते हैं, कविताएं पढ़ाई जाती हैं और कहानियां सुनाई जाती हैं। खुशबू जैसे नन्हें बच्चों को शिक्षा नीति के माध्यम से न केवल गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिली, बल्कि उन्हें एक नई दिशा और अवसर भी मिला।

आज स्कूल में 19 बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। शिक्षक का समर्पण और बच्चों की जिज्ञासा ने स्कूल का माहौल पूरी तरह बदल दिया है।

कार्रवाई के बाद फिर कब्जा, मौके पर पहुंचकर दोबारा सख्ती

भीतरी हिस्सों में पहले हटाया था अतिक्रमण, फिर से कब्जा हुआ कार्रवाई की गई

राजनांदगांव। शहर की ट्रेफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त टीम लगातार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कर रही है। पूर्व में जिन स्थानों पर सख्ती बरती गई, वहां दोबारा टीम पहुंची। इसमें फ्लाईओवर के नीचे, गुड़ाखू लाइन, सिनेमा लाइन, जूनी हटरी दोबारा पहुंचकर अतिक्रमण को हटाया गया। शहर में आबादी बढ़ने के अलावा जिस गति से दुपहिया, चार पहिया वाहनों की संख्या में वृद्धि हो रही है, उसी गति से अतिक्रमण भी बढ़ रहा है। शहर के आंतरिक व बाजार क्षेत्र में सघन बस्ती व सकरी सड़के हैं, जिसमें अतिक्रमण होने से आवागमन में परेशानी होती है। इन्ही बातों को ध्यान में रखकर प्रशासन ने यातायात व्यवस्था दुरूस्त करने तथा बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करने कार्रवाई की जा रही है। अतिक्रमण हटाने, समान दुकान के अंदर रखने समझाईश देकर अतिक्रमण हटाओं अभियान चलाकर समान जप्त कर शेड हटाये और पुनः बाजार क्षेत्र से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। **यहां दोबारा कब्जा किया गया, कार्रवाई की**-गुडाखू लाईन, सिनेमा लाईन, जूनीहटरी, फ्लाई ओव्हर के नीचे दोबारा अतिक्रमण होने पर निगम आयुक्त, एसडीएम एवं तहसीलदार उपस्थित रहकर दुकानदारों को शहर के बाजार क्षेत्र को व्यवस्थित करने सहयोग करने समझाईश दिएं। साथ ही ठेला, पसरा, हटवाकर दुकान के बाहर रखे व लटके समान की जब्ती की गई। उन्होंने कहा कि दुकानों के बाहर समान रखने से यातायात बाधित होने के साथ-साथ दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा समान खरीददार भी पार्किंग के अभाव तथा दुकान में खड़े होने की जगह नहीं होने पर खरीददारी करने आने में हिचकिचाते है। जिसके कारण व्यापार में भी असर होता है। इन सब बातों को ध्यान में रखकर आप सब को सहयोग करना है। उन्होंने शहर के बाजार क्षेत्र के व्यापारियों से कहा है कि, समान दुकान की सीमा में रखे अतिक्रमण न करें।

'मोदी की गारंटी' के तहत हर गांव होगा सर्वसुविधा युक्त : कल्पना नारद साहू

बेल्हारी (पाटन)। जनपद पंचायत पाटन अंतर्गत ग्राम पंचायत नवागांव बी एवं गातापार/उमरपोटी में पक्की नाली निर्माण कार्यों का भूमिपूजन समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत दुर्ग की सभापति कल्पना नारद साहू शामिल हुई। उनके साथ दक्षिण पाटन मंडल अध्यक्ष कमलेश साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष लालेश्वर साहू, भाजपा युवा मोर्चा दक्षिण पाटन अध्यक्ष नारद साहू, गातापार सरपंच रेवाराम साहू, नवागांव बी की सरपंच कविता साहू, उपसरपंच दिलीप साहू व छगन साहू सहित जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे। सभापति साहू ने संबोधन में कहा कि-विकास की कड़ी अब रुकने वाली नहीं है। भाजपा की विष्णुदेव सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी के तहत हर गांव को मूलभूत सुविधाओं से जोड़ा जा रहा है। नाली, सड़क, पेयजल, स्वच्छता जैसे कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। यह भूमिपूजन ग्रामीण समृद्धि की ओर पहला कदम है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की योजनाओं का लाभ अब अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है और आने वाले समय में गांवों को आधुनिक सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। इस अवसर पर उपस्थित अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधियों में-चोवाराम नेताम (रोजगार सहायक), कौशल साहू, देवेंद्र साहू, प्रेमीन साहू (पंच), पार्वती साहू, ओमिन साहू, सरस्वती नेताम, लेखराम साहू, भेमराज साहू, यशोदा साहू, दिलीप नेताम, तुसंत टंडन, विद्याशंकर साहू, मनीष साहू।

मोहारा फिल्टर प्लांट को नगर निगम स्वयं संचालित करें : संतोष पिल्ले

राजनांदगांव। नलों में आए दिन हो रही गंदे पानी सप्लाई से लोगों की परेशानी को देखते हुए नगर निगम नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने कहा कि निगम मोहारा फिल्टर प्लांट को निजी एजेंसी तेजस (अमृत मिशन) को देने के बजाए वह खुद ही संचालित करें। तब ही नगरवासियों को नलों से शुद्ध पानी की सप्लाई हो किया जा सकेगा। लोगों को बारिश के दिनों में जल जनित रोगों से बचाया जा सकेगा।

नेता प्रतिपक्ष पिल्ले ने कहा कि मोहारा जल संयंत्र से आए दिन फिटकरी की कमी रहती है। प्लांट में पानी को शुद्ध करने कितना फिटकरी डाली जाती है। इसकी भी कोई देखरेख करने वाला नहीं है। फिल्टर प्लांट से फिटकरी (एलम) गायब होने की शिकायत बनी रहती है। जिसके अभाव में पानी साफ नहीं किया जा पा रहा। इस वजह से शहरवासियो को नलों से गंदा पानी की आपूर्ति हो रही है। वैसे भी इन दिनों बरसात के कारण पानी में गंदगी रहती है। जिसकी सफाई के लिए फिटकरी का उपयोग अधिक मात्रा में करना चाहिए। लेकिन मोहारा जल संयंत्र से फिटकरी का गायब हो जाना कई संदेहों को जन्म दे रहा है।

पिल्ले ने कहा कि बेहतर होगा कि मोहारा फिल्टर प्लांट के कर्ताधर्ता व कर्मचारियों की मनमानी और संबंधित कंपनी की लापरवाही को देखते हुए नगर निगम फिल्टर प्लांट को खुद ही संचालित करें। तब ही न केवल नलों से गंदा पानी आना रोका जा सकेगा अपितु लोगों को जल जनित रोगों से भी बचाया जा सकेगा।

प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग में 'स्तनपान सप्ताह' कार्यक्रम आयोजित

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के तहत स्वास्थ्य, पोषण व डिजिटल सुरक्षा पर दी गई महत्वपूर्ण जानकारी

दुर्ग। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत स्तनपान सप्ताह के अवसर पर आज प्रयास आवासीय विद्यालय दुर्ग में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम जिला कार्यक्रम अधिकारी आर.के. जांबुलकर एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय प्रशिक्षक डॉ. ओमेश खुराना ने स्तनपान की आवश्यकता, जन्म के पहले छह माह तक केवल माँ के दूध की महत्ता तथा पहले पीले गाढ़े दूध (कोलेस्ट्रम) के पोषण संबंधी लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने खेलों के माध्यम से बच्चों और उपस्थित जनों को यह भी समझाया कि माँ के दूध का कोई विकल्प नहीं है, और यह जच्चा-बच्चा दोनों के लिए संपूर्ण पोषण का स्त्रोत है। इसके साथ ही लेखराम ध्रुव द्वारा वित्तीय प्रबंधन एवं ऑनलाइन डिजिटल सुरक्षा के विषय में जानकारी दी गई। उन्होंने साइबर टोल फ्री नंबर 1930 की जानकारी देते हुए बच्चों को सतर्क रहने की सलाह दी। महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय कुमार साहू ने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारण और करियर की दिशा तय करने पर प्रेरणादायक मार्गदर्शन दिया। साथ ही विभाग की प्रमुख योजनाओं जैसे-महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, मिशन शक्ति, सखी वन स्टॉप सेंटर, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 और कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न से सुरक्षा आदि की विस्तृत जानकारी साझा की। इस अवसर पर जिला मिशन समन्वयक श्रीमती विनिता गुप्ता, जेंडर विशेषज्ञ लक्ष्मीकांत यादव, वित्तीय साक्षरता एवं समन्वय विशेषज्ञ श्रीमती शिल्पी उपाध्याय, सीडब्ल्यूसी से नारायण सोनी, चाइल्ड हेल्पलाइन से चंद्रप्रकाश पटेल, सखी वन स्टॉप सेंटर से प्रशासक श्रीमती असंति साहू, पैरा लीगल कार्यकर्ता नेमेश्वरी सेन, विद्यालय के प्राचार्य आशीष गुप्ता, शिक्षकगण एवं कक्षा 9वीं से 12वीं तक के लगभग 300 छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

अयोध्या दर्शन के लिए रवाना हुए दर्शनार्थी, रमन सिंह और नीलू ने दिखाई हरी झंडी

- ट्रेन रवाना होने के अवसर पर दुर्ग एवं बस्तर संभाग के यात्रियों में दिखा उत्साह

राजनांदगांव। अयोध्या धाम और काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए स्पेशल ट्रेन रवाना हुई। दर्शन के लिए निकले यात्रियों को उत्साह देखने को मिला। इस दौरान विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह और टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा ने हरी झंडी दिखकर ट्रेन को रवाना किया। ट्रेन रवाना होने के पूर्व तीर्थयात्रियों का स्वागत छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोकनृत्यों एवं लोकवाद्यों से किया गया। आईआरसीटीसी के प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा सभी तीर्थयात्रियों का तिलक लगाकर अभिन्दन किया गया। राजनांदगांव रेल्वे स्टेशन से तीर्थयात्रियों को लेने के बाद ट्रेन दुर्ग रेल्वे स्टेशन से शेष तीर्थयात्रियों को लेकर रवाना हुई। दुर्ग संभाग के लिए निर्धारित इस ट्रेन को राजनांदगांव के यात्रियों की सुविधा और मांग को देखते हुए नीलू शर्मा के अथक प्रयासों से ये ट्रेन अब राजनांदगांव से रवाना होकर दुर्ग और बस्तर संभाग के तीर्थ यात्रियों को दुर्ग स्टेशन से लेकर अयोध्या धाम पहुंचेगी। इस बीच तीर्थ यात्रियों, नागरिकों और बीजेपी कार्यकर्ताओं के बीच भारी उत्साह देखा गया,हर कोई इस अभूतपूर्व पल का साक्षी बनने को बेताब नज़र आ रहा था। इस अवसर पर विस अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष नीलू शर्मा, दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव,कांकेर विधायक नीलचंद टेकाम, राजनांदगांव के पूर्व सांसद अशोक शर्मा , महापौर मधुसूदन यादव व अन्य लोग मौजूद रहे। शर्मा ने बताया कि श्रीराम लला दर्शन योजना अंतर्गत अयोध्या धाम के लिए यह स्पेशल सप्ताहिक ट्रेन रायपुर, बिलासपुर, सरगुजा, बस्तर-दुर्ग (संयुक्त) संभाग के यात्रियों को श्री राम लला अयोध्या धाम दर्शन के लिए निरंतर जारी रहेगी।

सड़कों और नालियों के निर्माण को मिलेगा प्राथमिकता, दुर्ग को आदर्श शहर बनाने पर जोर

महापौर ने विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली, इंजीनियरों को दो दिन में रिपोर्ट देने के निर्देश

दुर्ग। महापौर अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल ने नगर निगम के डाटा सेंटर में वार्डवार इंजीनियरों के साथ शहर में चल रहे और प्रस्तावित विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में मुख्य रूप से सड़कों के निर्माण, नालियों की मरम्मत एवं सफाई, डेयरी संचालकों पर कार्रवाई और पार्क क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था पर चर्चा हुई। बैठक मे कार्यपालन अभियंता आरके जैन, हरिशंकर साहू, मोहित मरकाम, अर्पणा मिश्रा, विकास दमाहे, प्रेरणा दुबे, ठाकुर आदि मौजूद रहे. बैठक में महापौर अलका बाघमार ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शहर के हर वार्ड में जहां भी सड़कों और नालियों की तत्काल आवश्यकता है, वहां की स्थिति का सर्वेक्षण कर सूची तैयार करें। इसके आधार पर प्रस्ताव बनाकर पूरी जानकारी के साथ दो दिन के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण न केवल नागरिकों के आवागमन को सुगम बनाता है, बल्कि यह शहर के विकास का भी स्पष्ट संकेत है। महापौर ने कहा कि दुर्ग को आदर्श शहर बनाने के लिए नगर निगम लगातार कार्य कर रहा है। प्रदेश सरकार के निर्देशन और नगर विकास विभाग के सहयोग से सड़कों के निर्माण के साथ-साथ नाले-नालियों का निर्माण एवं मरम्मत, पार्कों की सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने इंजीनियरों को दादा-दादी और नाना-नानी पार्क की नालियों का निरीक्षण कर यह पता लगाने के निर्देश दिए कि नालियां बार-बार ब्लॉक क्यों हो रही हैं, और इसका स्थायी समाधान निकाला जाए। बैठक में महापौर ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन कार्यों की सूची सप्ताहभर पहले अधिकारियों से मांगी गई थी, उनकी पूरी जानकारी समय पर उपलब्ध कराई जाए। प्रस्तावों में कार्य की प्राथमिकता, अनुमानित लागत और अपेक्षित समयसीमा का उल्लेख होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि समय सीमा का पालन नहीं करने वाले अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। समीक्षा बैठक के दौरान डेयरी संचालकों के कारण गंदगी और अव्यवस्था पर भी चर्चा हुई। महापौर ने कहा कि नोटिस देने के बाद भी यदि नियमों का पालन नहीं किया जाता, तो अधिकारी केवल औपचारिकता न निभाएं बल्कि सख्त कार्रवाई करें, जिससे शहर में स्वच्छता व्यवस्था प्रभावित न हो। महापौर अलका बाघमार ने अंत में कहा कि शहर के हर कोने में विकास कार्य समान रूप से पहुंचें, यह उनकी प्राथमिकता है, और इसके लिए सभी विभाग समयबद्ध तरीके से अपने दायित्व का निर्वहन करें।

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन के लिए अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

- 12 अगस्त को प्रातः 09 बजे स्वतंत्रता दिवस समारोह की अंतिम रिहर्सल

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन जिले में गरिमामयी एवं हर्षोल्लास के साथ जिला मुख्यालय स्थित प्रथम बटालियन दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 9:00 बजे से किया जाएगा। सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को विभागवार जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके अनुसार अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दुर्ग को संपूर्ण कार्यक्रम हेतु प्रभारी अधिकारी का दायित्व दिया गया है। ध्वजारोहण उपरांत जिला मुख्यालय में परेड की सलामी ली जायेगी। जिसके लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग, कमाण्डेंट होमगार्ड दुर्ग एवं कमाण्डेंट केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भिलाई को दायित्व सौंपा गया है। 15 अगस्त के पूर्व नगर में सभी जगह, सभी महत्वपूर्ण स्मारकों की साफ सफाई सुनिश्चित कराने के लिए आयुक्त नगर निगम दुर्ग, आयुक्त नगर निगम भिलाई, महाप्रबंधक नगर प्रशासन बीएसपी भिलाई तथा समस्त नगरीय निकाय प्रमुख को दायित्व दिया गया है। पंचायत स्तर पर निर्मित जय स्तंभों की साफ-सफाई की व्यवस्था अपने-अपने क्षेत्रों में उप संचालक पंचायत दुर्ग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सर्व द्वारा कराई जायेगी। सर्व कार्यालय प्रमुख, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सर्व जिला दुर्ग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सर्व जिला दुर्ग को जिले के सभी तहसील, विकासखण्ड, ग्राम स्तर पर सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समारोह का आयोजन सुनिश्चित कराने का दायित्व दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com